आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

आईएसबीएन : 978-93-7029-648-0 | वर्ष-4 | अंक-03 मार्च, 2025

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

आरोग्य पथ

Editors :
Dr. Vimal Kumar Dubey (Chief Editor)
Dr. Sadhvi Nandan Pandey (Editor)

© **Editors**

Edition : 2025
Pages : 42
Size : A4
Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :
Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,
Uttar Pradesh-273007
Tel. : +9999764424, 8765005177
E-mail : mguniversitygkp@mgug.ac.in

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

आरोग्य पथ

सम्पादकीय

संवत्सरो वै प्रजापतिः

प्रकृति सुन्दरी मानो स्वागत में सज-धज नवल रूप धारण कर ली है, खेतों में अनेक फसलें अपने यौवन के अल्हड़पन में वासन्ती पवन के प्रेम में डूबी आनन्दमग्न-झूमती दिखाई पड़ती हैं। आंखों को सुख देता खेतों में दूर-दूर तक फैला सरसों का पीलापन है तो अलसी का नीलापन भी। मटर के दूध से सफेद फूल हैं तो मसूर की लालिमा भी। पलाश प्रीति के केसरिया रंग से धरा के भाल को सुशोभित कर रहा है तो सेमर खुश हो लाल सुमन उछाल रहा है। ताल-कूप का नीर दर्पण बन गया है। स्वच्छ सलिला सरिताएं प्राणियों को अमिय पान करने को न्यौता दे रही हैं। तोता, मैना, गौरैया, वसंता की मिठास भरी चहचहाहट है तो कोयल की मनहरण कूक भी। अरण्य में स्पन्दन है। लगता है जीवन सांसें ले रहा है और प्राणियों में आशा का संचार कर लोक सम्मुख चरैवेति-चरैवेति के वैदिक संदेश की चिट्ठी बांच रहा है। कचनार हरसिंगार गुड़हल और गुलाब के पुष्प खिल उठे हैं। आम के वृक्ष पर मनभावन बौर सभी का मन बौरा रहा है। चने के होला की महक परिवेश में तैर रही है तो गन्ने के रस से बनाये जा रहे गुड़ की सोंधापन भी। शहनाई की स्वर लहरियां हैं तो मृदंग की कोमल थाप भी। पर न कहीं शोर है न हिंसा-अशान्ति, न कठोर-कलुष वचन हैं न पीड़ा-प्रताड़ना का रुदन। बस, चतुर्दिक सह-अस्तित्व, न्याय, करुण, दया, ममता, समता, सौहार्द, बंधुत्वभाव, सहयोग की भावना एवं स्वर हैं। तभी तो भोर से ही देवालयों में विश्व कल्याण की भावना से लोक देवार्चन और प्रार्थना कर रहा है। यज्ञ-हवन आदि हो रहे हैं और गोघृत, शर्करा, तिल, जौ, अक्षत, गुड़, गुरिज एवं औषधीय द्रव्यों की आहुति दी जा रही है। द्वार-द्वार पर मंगल वाद्य बज रहे हैं। जन सामान्य घरों में भगवा पताकाएं फहराते हैं। नव वर्ष में उर्जा के साथ अपने धर्म के निर्वहन के लिए शक्ति उपासना हेतु कलश स्थापित कर बड़ों का आशीर्वाद ले रहे हैं। मलय बयार बहने से लोकजीवन में उल्लास-उमंग का प्रवाह है और मानवता के कल्याण का संकल्प भी । यह प्रकृति में नयापन, उल्लास क्यों है, नूतन उत्साह उमंग क्यों है, यदि मैं पूछूं तो आप कहोगे नव संवत्सर का प्राकट्य है। सनातन नव वर्ष का आगमन है। नववर्ष का स्वागत भी हम सब चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से करते हैं इसी दिन नवरात्र का प्रारंभ माना जाता है। घर-घर में शक्ति आराधना के साथ-साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाता है। जिसका उद्घोष है कि यदि आप अपने धर्म का पालन विश्वासपूर्वक करते हो तो यं यं चिन्तयते कामं तं तं प्राप्नोति। अर्थात जो जो शुभ चिन्तन करोगे सब प्राप्त होगा। इस शक्ति आराधना में महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की आराधना, पूजन की जाती है। जिसमें महाकाली निश्चित ही ज्ञान और ताकत जैसे दिव्य गुणों का प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। ज्ञान की अवतार सरस्वती और शक्ति की प्रतीक दुर्गा जैसी देवियाँ स्त्री गुणों की पूजा का उदाहरण हैं। ये देवियाँ केवल सहचरी या निष्क्रिय इकाई नहीं हैं, बल्कि अपने आप में स्वतंत्र और शक्तिशाली हैं। उनकी कहानियाँ सशक्तिकरण, निडरता और लचीलेपन पर जोर देती हैं। ये कथाएँ सामाजिक दृष्टिकोण को आकार देने और एक रूपरेखा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जो इन देवी-देवताओं द्वारा प्रतीकित गुणों को महत्व देती हैं।

ज्ञान की देवी, सरस्वती, बुद्धि, कला और ज्ञान का प्रतीक है। उनका चित्रण सीखने, कलात्मक कौशल और विवेक के अवतार का प्रतीक है, जो लिंग से परे ज्ञान का उदाहरण देकर पारंपरिक लिंग भूमिकाओं की बाधाओं को तोड़ता है। इसी तरह, उग्र देवी, दुर्गा वीरता, साहस और बुराई से लड़ने की शक्ति का प्रतीक है। एक योद्धा देवी के रूप में उनका चित्रण निडरता और शक्ति को प्रदर्शित करता है। नवरात्र के नवें दिन रामनवमी के दिन भगवान श्रीराम का प्राकट्य हमें बहुत कुछ सीखा जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम का जीवन हमें बहुत कुछ संदेश देते हुए सुख दुख में सम रहते हुए मर्यादित जीवन जीने की कला सीखा जाता है। इतना भव्य नव वर्ष का आयोजन शायद ही विश्व के किसी कोने में होता होगा। प्रतीत होता है शायद इसलिए प्रश्नोंपनिषद में संवत्सरों वै प्रजापतिः का उल्लेख किया गया है अर्थात संवत्सर को प्रजापति की संज्ञा प्रदान किया गया है। नव संवत लोक के लिए सुख, समृद्धि, शान्ति, सहकार, उत्कर्ष, उल्लास एवं अमित उत्साह का वाहक सिद्ध होगा तथा विश्व हिंसा, अराजकता, कलुष-कुभाव, व्यभिचार, नग्नता से मुक्त होगा। प्रकृति का पोषण कर मानवीय मूल्यों के संवर्धन हेतु बद्ध परिकर होगा, ऐसा विश्वास करते हुए हम सभी को ऐसा प्रयास करना चाहिए।

प्रकाशक
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

माह विशेष

होली पर्व की शास्त्रीय महत्ता

होली पर्व फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला पर्व है यह लेख शास्त्रीय और समाजिक महत्ता को प्रकाशित करेगा। होली की पृष्ठभूमि में विभिन्न कारकों पर विचार करें, तो पहले हिरण्यकशिपु, प्रह्लाद और हिरण्यकशिपु की बहन होलिका की कथा सर्वविदित है।

होली पर्व के मनाने के पीछे दूसरा कारण यह है कि, फाल्गुन की समाप्ति पर रवी की फसलें लगभग पकने की स्थिति में आ जाती हैं। संस्कृत में आग में भुने हुए अन्न को होलक कहते हैं। शब्द कल्पद्रुम में होलक शब्द का अर्थ लिखा है

तृणाग्निभृष्टार्ध्दपक्वशमीधान्यम्

भावप्रकाश में भी कहा गया है अर्द्धपक्वैःशमीधान्यैस्तृणभृष्टैश्च होलकः। अर्थात् आधे पके हुए शमी, धान्य, तृण को होलक कहते हैं। सनातन धर्म में यह मान्यता है कि नूतन अन्न को पहले देवताओं को अर्पित करने के बाद ही उपयोग में लिया जाता है। वैदिक वाड्मय में अग्नि को देवताओं का मुख कहा गया है। अग्निर्वै देवानां मुखम्। इसलिए यज्ञ में अग्नि के माध्यम से देवताओं को हवि पहुंचायी जाती है। आज भी होली में लोग पके हुए अन्न को पौधों सहित डालते हैं। गेहूं, जौ, अलसी आदि के फल सहित पौधों को होलिका (प्रज्ज्वलित अग्नि) के माध्यम से देवताओं को अर्पण किया जाता है। होली के बाद ही रवी के फसलों की कटाई शुरू होती है। इस प्रकार होली पर्व का सामाजिक और धार्मिक महत्त्व सुस्पष्ट है।

आयुर्वेद की दृष्टि से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि होली का पर्व शीतऋतु के तुरन्त बाद आता है। शीत ऋतु में मनुष्यों में कफ प्रकुपित हो जाता है। कफ होली की उष्मा से पिघलती है। भुना हुआ अन्न और गुड कफ-नाशक होता है। भावप्रकाश में लिखा है कि होलको धल्पानिलो मेदः कफदोषश्रमापहः अन्न में गुड़ मिलाना कफ के निस्तारण में उपयोगी होता है। गुडेन वर्द्धितः श्लेष्मा सुखं वृद्धया निपात्यते। भुने हुए अन्न की चर्चा ऊपर की गयी है। होली के समय सभी घरों में गुड आदि मीठे की गुझिया बनाने की व्यापक परम्परा है। गुझिया के अन्दर गुड, मेवा सहित सोंठ आदि जो पदार्थ भरे जाते हैं वे सभी कफ को नष्ट करते हैं। इसलिए गुझिया आदि पक्वान्न होली पर खाना स्वास्थ्य वर्धक है।

आजकल लोगों के अन्दर आन्तरिक आह्लाद, प्रसन्नता और उत्साह की कमी होती जा रही है। होली के अवसर पर बृहद् रूप से गाने-बजाने का कार्यक्रम होता है और लोग उसमें स्वेच्छा से भागीदारी करते हैं। मस्ती से सराबोर होकर नाच गाना हास्य परिहास, विनोद, हँसी मजाक करते हैं। इससे लोगों के भीतर का विषाद मिटता है और उनके चित्त में प्रसन्नता का संचार होता है। आयुर्वेद के अनुसार प्रसन्न चित्त लोगों के सभी रोग नष्ट हो जाते है।

होली पर्व के सामाजिक समरसता के महत्त्व को रेखांकित किये बिना यह चर्चा अधूरी रहेगी। होली एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें लोगों के बीच ऊच-नीच, छोटे-बडे का कोई भेद भाव नहीं रहता। सभी जाति और वर्ग के लोग मिल जुलकर इस पर्व को मनाते हैं। नर और नारी दोनों मिलकर इस अनुपम त्योहार को उत्साह पूर्वक सार्वजनिक रूप से मनाते हैं। चूंकि यह सामूहिक त्योहार है, इसलिए भी इसमें सभी की भागीदारी आवश्यक होती है। होली का त्योहार अकेले मनाया जाने वाला त्यौहार नहीं है। एक वर्ष के अन्दर लोगों के बीच जो भी मतभेद और गिला शिकवा होता है वह सब होली की आग में भस्म हो जाता है। होली पर बिना किसी भेदभाव के लोग एक दूसरे के गले मिलते हैं। इस प्रकार रंगो का महापर्व होली स्वास्थ्य, धार्मिक परम्परा, कृषकों की समृद्धि, उल्लास और मनोविनोद एवं सामाजिक सद्भाव बढाने वाला उत्सव है।

आज पूरे देश में सामाजिक समरसता और सामाजिक सद्भाव और पारस्परिक प्रेम की महती आवश्यकता है। होली का त्योहार समाज में अपेक्षित सामाजिक सौहार्द, सद्भाव, मेलजोल और भाईचारे को बढ़ावा देता है।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

हमारी विरासत

आचार्य वाग्भट्ट

आचार्य वाग्भट्ट एक महान चिकित्सक, संस्कृतज्ञ, चिकित्सकीय सूत्रलेखन के लिए जगत प्रसिद्ध हैं। उनके ग्रंथ के बारे में एक सुभाषित प्रसिद्ध है। जिससे उनके सूत्र लेखन, चिकित्सकीय ज्ञान और आयुर्वेद विद्या के प्रति उनके योगदान को प्रदर्शित करता है।

अष्टाङ्गसंग्रहे ज्ञाते वृथा प्राक्तन्त्रयोः श्रमः।

अष्टांगसंग्रहे अज्ञाते वृथा प्राक्तन्त्रयोः श्रमः।। वे प्रसिद्ध आयुर्वेदिक ग्रंथों के लेखक हैं, जिनमें अष्टांग हृदय और अष्टांग संग्रह शामिल हैं। उनके द्वारा लिखे गए लगभग 7000 सूत्र हैं, जिनमें वे बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य को कैसे बनाए रखें और बीमारियों का प्रबंधन कैसे करें। आचार्य वाग्भट्ट अपनी प्रभावशाली कविताओं और आयुर्वेदिक विद्वान के रूप में जाने जाते हैं। वे अष्टांग संग्रह और अष्टांग हृदय के रचयिता थे। वाग्भट की तिथि 4वीं-5वीं शताब्दी ई. के आसपास निश्चित की जा सकती है। पी. वी. शर्मा के मतानुसार अष्टांग संग्रह और अष्टांग हृदय के रचयिता अलग-अलग हैं, लेकिन आचार्य गणनाथ सेन, एच.एस. पराड़कर, यादवजी, वोगेल आदि के अनुसार दोनों के रचयिता एक ही हैं। रचयिता ने स्वयं घोषित किया है कि अष्टांग संग्रह आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के सागर मंथन से प्राप्त अमृत है और अष्टांग हृदय अल्प, और उत्तम बुद्धि वालों के लिए श्रेयस्कर है। यह अष्टांग संग्रह का संक्षिप्त रूप है, इन शब्दों से स्पष्ट है कि दोनों ग्रंथों के रचयिता एक ही हैं। वाग्भट सिंह गुप्त के पुत्र और वृद्ध वाग्भट के पौत्र थे। वे सिंधु नदी के क्षेत्र के निवासी थे। वे महायान बौद्ध धर्म के प्रमुख भिक्षु अवलोकितेश्वर के शिष्य थे। महर्षि की सत्यनिष्ठा इससे ही स्पष्ट हो जाता है कि उन्होंने हर अध्याय में स्वीकारा है कि उनकी जो व्याख्या है वो पूर्व के आत्रेय आदि महर्षियों द्वारा प्रदान किए ज्ञान ही हैं। इससे स्पष्ट होता है कि उनका कार्य पूर्व के चरक संहिता और सुश्रुत संहिता पर आधारित है। आचार्य ने अष्टाङ्ग हृदय में व्यक्त किया है कि उन्होंने न बहुत संक्षेप में ही और न ही अधिक विस्तार भाषा शैली में इस संहिता की रचना की है। विभिन्न संहिताओं में विस्तृत ज्ञान को सार रूप में लिखा है। जिसमें उत्तर स्थान को लेकर छः स्थान हैं सूत्र स्थान में स्वस्थ वृत्त, द्रव्यगुण, दोष, धातु मल विज्ञान, संसोधन, यंत्र, शस्त्र कर्म, क्षार कर्म, अग्नि कर्म शारीर स्थान में शरीर रचनाएं विज्ञान अरिष्ट, निदान स्थान में रोग विज्ञान, अनेक प्रमुख रोगों का निदान, काय चिकित्सा स्थान में, कल्प स्थान में पंचकर्म विधि एवं औषध कल्प, उत्तर स्थान में भूत विद्या, शल्य, शालाक्य, अंगद तंत्र, गुह्य तंत्र, रसायन, वाजीकर, क्षुद्र रोग, कौमार्य भृत्य, मानस रोग आदि के बारे में एक सौ बीस अध्याय में श्लोकों के माध्यम से सारगर्भित वर्णन किए हैं। इसी तरह अष्टांग संग्रह में छः स्थान और एक सौ पचास अध्याय हैं। इसमें विस्तृत रूप वर्णन है। अष्टांग संग्रह में तो आचार्य ने विषकन्या के बारे में भी वर्णन किया है। चिकित्सा कार्य में इन्होंने अनेक नवीन औषधि द्रव्यों के प्रयोग का किया। रोगों की उत्पत्ति एवं शमन, नक्षत्रों के प्रभाव के वर्णन के साथ, ज्योतिष शास्त्र के प्रति आस्था भी व्यक्त किया है।

अष्टांग हृदय के मंगलाचरण में बहुत ही सुन्दर ढंग से व्यक्त किया है कि राग आदि रोग अर्थात मानसिक रोग समस्त शरीर में फैले हुए हैं जो उत्सुकता, मोह आदि को जन्म देते हैं उनसे उत्पन्न रोगों को पूर्व वैद्यों के चिकित्सकीय उपायों द्वारा स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

सप्त दिवसीय शिविर

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

सप्त दिवसीय शिविर में सम्बोधित करते आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

दिनांकः 01 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् आयुर्वेद कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य और, सभी कार्यक्रम अधिकारी और स्वयंसेवक प्रतिनीधियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके उद्घाटन किया गया। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आज हम गुरु गोरखनाथ आयुर्वेद महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ कर रहे हैं। यह शिविर हमारे छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जहाँ वे न केवल समाज सेवा के महत्व को समझेंगे, बल्कि अपने व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे।

इस शिविर में, हमने आपके लिए ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यानों, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया है। इन गतिविधियों के माध्यम सेए आप न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी सशक्त होंगे। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि एनएसएस की तीन इकाइयों का नाम हमारे प्राचीन ऋषियों के नाम पर क्यों रखा गया है और इसका क्या महत्व है। उन्होंने इस सात दिवसीय शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की और महिलाओं के स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला।

हमारा उद्देश्य है कि आप इस शिविर से प्रेरित होकर एक जिम्मेदार नागरिक बनें और समाज के कल्याण में अपना योगदान दें।

मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि इस शिविर का भरपूर लाभ उठाएं और इसे सफल बनाएं।

द्वितीय बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. जयंत नाथ जी को योग और प्राकृतिक चिकित्सा पर व्याख्यान देते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुर्वेद के छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है उन्होंने योग को उपचार के सबसे मुल्यवान और कुशल साधन के रूप में बताया। उन्होंने दैनिक जीवन में योग के व्यावहारिक महत्व के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ऋषि पतंजलि ने योग को व्यवस्थित किया और इसे जनमानस में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने योग के आठ चरणों के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे गुरु श्री गोरखनाथ जी महाराज ने षट कर्मों द्वारा इसे आसान बनाया और हठयोग में उनकी भूमिका के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने सामाजिक, मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक जीवन में योग के महत्व पर जोर दिया और बताया कि कैसे योग सभी आयु समूहों द्वारा आसानी से अपनाया जा सकता है।

उन्होंने आगे गतिहीन जीवनशैली की समस्याओं पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे भुजंगासन, उष्ट्रासन और मकरासन जैसे योग से सर्वाइकल समस्याओं जैसे जीवनशैली रोगों को रोका और ठीक किया जा सकता है। उन्होंने एक्यूप्रेशर और ज्ञान मुद्रा और चिन्मय मुद्रा जैसी विभिन्न मुद्राओं के बारे में बात की। उन्होंने हृदय स्वास्थ्य, मोटापे, मानसिक समस्याओं के लिए मुद्राओं का प्रदर्शन किया। फिर उन्होंने ध्यान के महत्व के बारे में बात की और इसे करने का तरीका बताया। उन्होंने दैनिक जीवन में योग का पालन करने पर जोर दिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्वागत भाषण और आभार ज्ञापन क्रमशः डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय और डॉ. श्रीनाथ ने किया। कार्यक्रम में डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. विनम्र, डॉ. नवीन, डॉ. श्रीनाथ, डॉ. गोपी कृष्ण और अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

मानवीय मूल्य और वर्तमान शिक्षा पर व्याख्यान देते हुए डॉ. आशुतोष तिवारी एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के दौरान बीएएमएस विद्यार्थी एवं चिकित्सक

दिनांकः 02 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का द्वितीय पर आज तीनों इकाइयों के स्वयंसेवकों, आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सक डॉ. शांतिभूषण, डॉ. सुमित, डॉ. विनम्र, डॉ. मिनी, डॉ. अर्जुन, डॉ. गोपीकृष्ण और तीनों कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडे ने विभिन्न विषयों को लेकर जैसे नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा, महिला सुरक्षा आदि पर मनीराम, बालापार और बैजनाथपुर ग्रामों में जागरूकता अभियान का संचालन किया। आज के अतिथि व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. आशुतोष तिवारी जी ने मानवीय मूल्य और वर्तमान शिक्षा पर बोलते हुए एनएसएस की महत्व का संज्ञान कराया।

उन्होंने अपने जीवन के उदाहरण के माध्यम से शिक्षा पे पारिवारिक वातावरण का महत्व बताया। मनुष्य अपने जीवन में पहले माँ–बाप, फिर शिक्षक और उसके बाद समाज को आदर्श मानता है। मनुष्य के सम्बंध हमेशा अनुकूल नहीं होते, लेकिन उसको संयम से निभाना वही हमारा स्वभाव होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि लोग पैसा कमाना तो सीख रहे हैं, लेकिन जीवन को जीना नहीं। तभी आज हमें बहुत सी घटनायें देखने को मिलती है जिसमें लोग अपने मूल्यवान जीवन का त्याग कर देते हैं। इसका प्रमुख कारण दोस्तों में प्रतियोगिता भाव होना, माता–पिता का अत्यधिक दबाव। उन्होंने यह भी बताया कि लोग अपने जीवन के निर्णय खुद ना लेने से, छोटे–छोटे से जीवन के बड़े–बड़े निर्णय दूसरों को सौंप देते हैं। इसलिए अपने जीवन के निर्णय खुद लेना चाहिए। मानवीय मूल्य से उन्होंने यह व्यक्त किया कि, सही समझ, सही भाव के साथ हमें हमारा जीवन जीना चाहिए। अंततः उन्होंने ने बताया विश्वास और कृतज्ञता जीवन की दो महत्पूर्ण कड़ी हैं, जिससे हम अपने जीवन को सरल और सुखी बना सकते हैं। मिस काजल कुमारी ने स्वागत भाषण दिया और डॉ. साध्वी नंदन पांडे और डॉ. वैशाख ने आभार ज्ञापन और सम्मान समारोह किया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्त, डॉ. श्रीनाथ और अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

वृहद स्वास्थ्य शिविर

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

नेत्र जांच करतीं चिकित्सिका

दिनांकः 02 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद वृहद स्वास्थ्य शिविर में 228 मरीजों को चिकित्सीय जांच किया गया। निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद बृहद स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय एसोनबरसा रोड, बालापार एगोरखपुर के कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह जी एवं मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, अधिष्ठाता नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ए.पी. त्रिपाठी जी ने किया। शिविर का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में

गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगा। मोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है।

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने लोगों की आंखों की निःशुल्क जांच की।

जांच में यह सुनिश्चित किया गया कि कहीं किसी व्यक्ति को मोतियाबिंद या अन्य आंखों की गंभीर समस्याएँ तो नहीं हैं। साथ ही, शिविर में विभिन्न प्रकार की आंखों की बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें सही समय पर इलाज लेने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में आए मरीजों का नेत्र परीक्षण के बाद उन्हें सलाह दी गई कि यदि किसी को मोतियाबिंद जैसी समस्या हो तो वह जल्द से जल्द ऑपरेशन के लिए योग्य अस्पतालों से संपर्क करें। इसके अलावा, जिन मरीजों की आंखों में हल्की समस्याएँ थीं, उन्हें उचित दवाइयाँ और चश्मा दिया गया। शिविर में न केवल मोतियाबिंद के मरीजों को सहायता प्रदान की गई, बल्कि आंखों की सफाई और देखभाल के बारे में भी जागरूक किया गया।

शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है।

शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला और ओटी टेक्नीशियन शुभ पांडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टॉफ ने कुल 228 मरीजों की नेत्र परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरण किया।

यूथ पार्लियामेंट : पूर्व सूचना

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

दिनांकः 03 मार्च, 2025। मंडल स्तरीय 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' का आयोजन कराएगा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर जनपद गोरखपुर, महाराजगंज, संत कबीर नगर एवं कुशीनगर के समस्त छात्र–छात्राओं एवं अन्य सभी युवाओं को सूचित किया जाता है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता का आयोजन दिनांकः 10 मार्च से 17 मार्च 2025 के मध्य कराया जाएगा जिसमें 1 फरवरी 2025 को पूर्ण करने वाले 18 से 25 आयु वर्ग के सभी विद्यालयों, महाविद्यालय, शैक्षिक संस्थान एवं गैर छात्र–छात्रा आदि युवा प्रतिभाग कर सकेंगे।

इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए सर्वप्रथम इच्छुक युवा को विषयः विकसित भारत पर युवा स्वयं के वक्तव्य क्या है इस विषय पर अपनी 1 मिनट की रिकॉर्ड विडियो बनाकर को मेरा युवा भारत पोर्टल (MyBharat portal) पर अपलोड करनी होगी जिससे निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा विश्वविद्यालय में जनपद कुशीनगर, महाराजगंज, संकबीर नगर एवं गोरखपुर के प्रत्येक जनपद से 150 युवाओं को मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने के अवसर दिया जाएगा मंडल स्तरीय प्रतियोगता में विषयः एक राष्ट्र, एक मतदान विषय पर युवाओं को 3 मिनट का वक्तव्य देने का समय दिया जाएगा तथा मंडल स्तर प्रतियोगिता से 10 विजेता प्रतिभागी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं 3 राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट संसद भवन नई दिल्ली में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा।

इस प्रतियोगिता में MyBharat

portal पर पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 9 मार्च 2025 निर्धारित की गई है अधिक जानकारी के लिए mybharat.gov.in पर जाकर देख सकते है। इस प्रतियोगिता के आयोजन कराने का अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

सप्त दिवसीय शिविर का पंचम दिवस

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए विद्यार्थी

दिनांकः 05 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का पंचम दिवस पर प्रातः काल आरंभ योग और सूर्य नमस्कार से हुआ।

आज तीनों इकाइयों के स्वयंसेवकों, आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सक डॉ. विष्णु माया जी, डॉ. विनम्र, डॉ. अर्पित तीनों कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडे ने विभिन्न विषयों को लेकर जैसे महिला सशक्तिकरण, नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा, महिला सुरक्षा ओर मेडिकल कैंप आदि पर मनीराम, बालापार और बैजनाथपुर ग्रामों में जागरूकता अभियान का संचालन किया।

आज के अतिथि व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि आलोक कुमार गुप्ता, विवेक जी, अल्पना जी और अमरीश जी ने मानवीय मूल्य और एनएसएस की महत्व का संज्ञान कराया।

उन्होंने अपने जीवन के उदाहरण के माध्यम से जीवन जीने कि कला, जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। ध्यान का परिणाम एकाग्रता होता है। ध्यान का मतलब अपनी आंखों को बंद करके ध्यान करना होता है। अपने आप को तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए अपने आप को भी सम्मानित करें। समय प्रबंधन, ध्यान और एकाग्रता जीवन का मूल आधार है।

आचार्य विवेक ने कहा योग का उत्पत्ति 6000 साल पहले हुई थीं। आज का मुख्य उद्देश्य मानसिक शांति को कैसे प्राप्त करें था। ध्यान को अपने दिनचर्या लाएं। अपने जीवन के निर्णय स्वयं लें, छोटे–छोटे से जीवन के बड़े–बड़े निर्णय दूसरों को नहीं सौंप देना चाहिए। इसलिए अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेना चाहिए जिससे हम मानसिक तनाव से दूर रह सकते है। उन्होंने यह व्यक्त किया किए सही समझ, सही भाव के साथ हमें हमारा जीवन जीना चाहिए।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए आचार्य साध्वी ने कहा पहले स्वयं को स्वयं से जोड़ें तभी आप आप दूसरों से, समाज से राष्ट्र से और इस सुन्दर प्रकृति के साथ–साथ परमात्मा से जोड़ पाएंगे इसका माध्यम योग जिसका शाब्दिक अर्थ है जोड़ना, अपने लिए भी समय निकालें तभी आप तनाव मुक्त हो सकते हैं।

अष्टावक्र इकाई की स्वयंसेविका स्वयं काजल कुमारी ने संचालन किया और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रीनाथ ने मुख्य अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्त डॉ. वैशाख और अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

सड़क सुरक्षा अभियान मण्डलीय प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के दौरान विश्वविद्यालय का छात्र शिवम

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः 06 मार्च, 2025। परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बॉयोटेक्नोलॉजी के छात्र शिवम पाण्डेय और बॉयोकेमेस्ट्री की छात्रा सौरभ नंदनी को उत्तर प्रदेश सरकार परिवहन विभाग द्वारा नगद धनराशि देकर सम्मानित किया गया।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि संकाय के दोनों विद्यार्थियों ने मंडल स्तरीय रोड सेफ्टी क्लब द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय के नेतृत्व मे प्रतिभाग किया।

जिसमें मंडल स्तर पर गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर एवं अन्य जिलों के प्रतिभागियों ने निर्धारित विषय पर व्याख्यान दिया एवं चित्रकला में प्रस्तुति की जिसमें श्रेष्ठ प्रस्तुति के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के छात्र शिवम पाण्डेय को नगद धनराशि 10 हजार रुपए और सौरभ नंदनी को 4 हजार रुपए की नगद धनराशि से सम्मानित होने का सौभाग्य मिला।

इस उपलब्धि पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विभाग अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. धिरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवेधनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. प्रेरणा अदिती, डॉ. किरन कुमार, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आशुतोष श्रीवास्वत, श्री धन्नजय पाण्डेय, डॉ. रश्मि झाँ, सुश्री सृष्टि यदुवंशी, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री जन्मेजय सोनी, श्री दुर्गेश कुमार गुप्ता, डॉ. रश्मि शाही, डॉ. अनुकृति राज, डॉ. मंतव्य सिंह, श्री अनिल कुमार मिश्रा, डॉ. पुनीत सिंह सहित सभी विभागों के शिक्षकगण ने बधाई और शुभकामना दिया।

सप्त दिवसीय शिविर के षष्ठम दिवस

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

शिविर में ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए विद्यार्थी एवं चिकित्सक

दिनांकः 06 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सप्त दिवसीय शिविर के षष्ठम दिवस पर प्रातःकाल आरंभ योग और सूर्य नमस्कार से हुआ।

आज तीनों इकाइयों के स्वयंसेवकों और आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सक डॉ. विष्णु, डॉ. धन्या, डॉ. आशा, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. रिनजिन एवं तीनो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पाण्डेय ने विभिन्न विषयों को लेकर जैसे मेडिकल कैंप, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा कैंप आदि का क्रमशः मनीराम, बैजनाथपुर और बालापार ग्रामों में जागरूकता अभियान का संचालन किया।

आज अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय यूनिट के स्वयंसेवकों द्वारा कैंपो में सैनिटरी नैपकीन एवं अन्य दवाईयों का वितरण किया गया।

अष्टावक्र इकाई के द्वारा मानीराम गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों को स्वास्थ्य परामर्श देते निःशुल्क दवाएं वितरित किए जिसमें स्वयंसेवकों ने चिकित्सकों का सहयोग करते हुए चिकित्सकीय अनुभव प्राप्त किए और उत्साह से ग्राम नागरिकों का चिकित्सा सेवा किया।

आज के अतिथि व्याख्यान के बतौर मुख्य अतिथि डॉ. श्रीकान्त ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं देशभक्ति के महत्व का संज्ञान कराया।

राष्टीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा बताया की देशभक्ति लोगों को एक साथ लाती है, चाहे उनकी जातीयता, धर्म या सामाजिक स्थिति में कोई भी अंतर क्यों न हो। यह समान पहचान और उद्देश्य की भावना पैदा करती है, जिससे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है। देशभक्त नागरिक अक्सर मतदान, स्वयंसेवा और सामुदायिक सेवा जैसे नागरिक कर्तव्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। भारद्वाज इकाई की स्वयंसेविका शगुन अग्रवाल ने संचालन किया और डॉ. मिनी के. वी. ने अतिथि का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख ने मुख्य अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रीनाथ, आचार्य साध्वीनंदन और भारद्वाज, अष्टावक्र और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस

फार्मास्युटिकल संकाय

राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के दौरान प्रजेंटेशन प्रस्तुत करता छात्र एवं विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोली का अवलोकन करते शिक्षक

दिनांकः 06 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय ने आज प्रोफेसर डॉ. महादेवलाल श्रॉफ जी के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस का आयोजन किया।

प्रोफेसर एम.एल. श्रॉफ, जिन्हें 'फादर ऑफ फार्मेसी' के नाम से भी जाना जाता है, उनके जन्मदिवस के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में डी. फार्मा और बी. फार्मा के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य वक्ता डॉ .अमित उपाध्याय सर के भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने फार्मेसी शिक्षा के महत्व और डॉ. श्रॉफ के योगदान पर प्रकाश डाला। इसके बाद, छात्रों ने रंगोली प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और पोस्टर प्रस्तुति जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में डॉ. विनम्र शर्मा और एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे शामिल थे। यह कार्यक्रम फार्मेसी के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. शशिकांत सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया ।

संकाय के शिक्षकगण में सुश्री पूजा जायसवाल, सुश्री नंदिनी जायसवाल, सुश्री श्रेया मधेशिया, श्रीमती जूही तिवारी, श्री प्रवीण कुमार सिंह, श्री दीपक कुमार, श्री दिलीप मिश्रा और डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने छात्रों का मार्गदर्शन किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छात्रों ने रंग–बिरंगी रंगोली बनाई, ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी में भाग लिया, प्रभावशाली भाषण दिए और रचनात्मक पोस्टर प्रस्तुत किए। सभी प्रतिभागियों ने उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते एवं मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए डॉ. जी. एस. तोमर

दिनांकः 07 मार्च, 2025 को गोरखपुर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में सप्त दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. (डॉ) जी. एस. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व का प्राचीनतम चिकित्सा विज्ञान है। हज़ारों वर्ष पहले हमारे युगदृष्टा महर्षियों ने अपने दिव्य ज्ञान से मानव जीवन का सम्पूर्णता में आख्यान किया है।

महर्षि सुश्रुत ने अपनी संहिता में संक्रामक रोगों का उल्लेख करते हुए इसके फैलने के माध्यमों का जो वर्णन किया है। वह आज भी सम्पूर्णता का द्योतक है। उनका मानना था कि कोई भी संक्रामक रोग मात्र किसी वैकारिक जीवाणु या विषाणु के शरीर में प्रवेश मात्र से संभव नहीं है। जब तक कि उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी नहीं आती। अतः आयुर्वेद पाश्चात्य विधा की तरह एंटीबायोटिक औषधियों के स्थान पर व्याधिक्षमत्व (इम्युनिटी) बढ़ाने वाली बनौषधियों का प्रयोग करने पर बल देता है। इससे न केवल संक्रामक अपितु जीवनशैली जन्य रोगों को भी रोका जा सकता है। आयुर्वेद में आहार, निद्रा एवं ब्रह्मचर्य जीवन के तीन उपस्तम्भ बताए गए है। आहार के सम्बन्ध में चरक के आठ एवं सुश्रुत के बारह नियमों के पालन से हम चिरकाल तक निरोगी रह सकते हैं। क्या, कितना, कब और कहाँ खाना चाहिए इसका समुचित जवाब हमारे महर्षियों ने उक्त सिद्धान्तों द्वारा स्पष्ट किया है। डॉ. तोमर ने जन आरोग्य के लिए आयुर्वेद के व्यावहारिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए छात्र–छात्राओं का आह्वान किया कि वह हमारी पारंपरिक धरोहर में छिपे हुए इन अमूल्य रत्नों के प्रकाश से पीड़ित मानवता की सेवा में हाथ बँटाए। महाकुंभ के भव्य आयोजन में प्रयुक्त व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम ने स्मृति चिह्न देकर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में छात्र – छात्राओं के साथ–साथ डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. मिनी के.वी. एवं एनएस एस कोर्डीनेटर डॉ. श्रीनाथ भी उपस्थित रहें। व्याख्यान के बाद डॉ. तोमर ने संस्थान के चिकित्सालय के विशेष ओपीडी में शताधिक रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया।

स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

नुक्कड़ नाटक एवं रोल प्ले के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक करती नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांकः 07 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत बेसिक बी. एस.सी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के कुल 60 छात्राओं ने तीन समूह में चार शिक्षक–शिक्षिकाओ मिस शक्ति, मिस ममता चौरसिया, मिस सुप्रिया, श्री केशव के मार्गदर्शन में जंगल कौड़िया, गोरखपुर में स्थित सामुदायिक क्षेत्र में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से पर्यावरणीय स्वच्छता, नशीली पदार्थों के दुरुपयोग और संक्रामक रोगों की रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। इसमें गाँव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ और वयस्क उपस्थित थे। पहले समूह ने रोल प्ले के माध्यम से सड़क पर खुले में प्लास्टिक कचरे के निपटान के दुष्प्रभावों को दिखाया, जिससे जानवरों और समुदाय को नुकसान होता है। उन्होंने चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड की मदद से बताया कि खुले में कचरा फेंकने से जल व वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे सांस की समस्याएँ, त्वचा रोग और पेट से जुड़ी बीमारियाँ हो सकती हैं। इसकी रोकथाम के लिए कचरा सही स्थान पर फेंकना, पुनःचक्रण (रिसाइक्लिंग) को बढ़ावा देना और प्लास्टिक का कम उपयोग करना आवश्यक है। दूसरे समूह ने कठपुतली नाटक के जरिए नशे के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों को प्रदर्शित किया, जहाँ एक परिवार में पिता की शराब की लत के कारण रोज़ झगड़े होते थे।

उन्होंने बताया कि नशे की लत से याददाश्त की कमी, मानसिक अस्थिरता, लीवर की बीमारियाँ और सामाजिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसकी रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान, परिवार का सहयोग, नशामुक्ति केंद्रों की सहायता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर ज़ोर देना चाहिए। अंतिम समूह ने संक्रामक रोगों की रोकथाम पर रोल प्ले प्रस्तुत किया, जिसमें गंदे वातावरण में खेलने से बच्चों में डेंगू फैलने की संभावना को दिखाया गया।

उन्होंने बताया कि डेंगू के लक्षणों में तेज़ बुखार, सिरदर्द, शरीर पर लाल चकत्ते और कमजोरी शामिल हैं। इसकी रोकथाम के लिए पानी जमा न होने देना, घर और आसपास की सफाई बनाए रखना, मच्छरदानी का उपयोग और व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का समापन विषयों के संक्षेपण से हुआ जिसमें उन्होंने बताया की स्वच्छता, नशामुक्ति और संक्रामक रोगों की रोकथाम से स्वस्थ जीवन संभव है। छोटे–छोटे सकारात्मक बदलाव लाकर हम अपने समाज को सुरक्षित और खुशहाल बना सकते हैं।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

फिजियोथियन २०२५

श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर

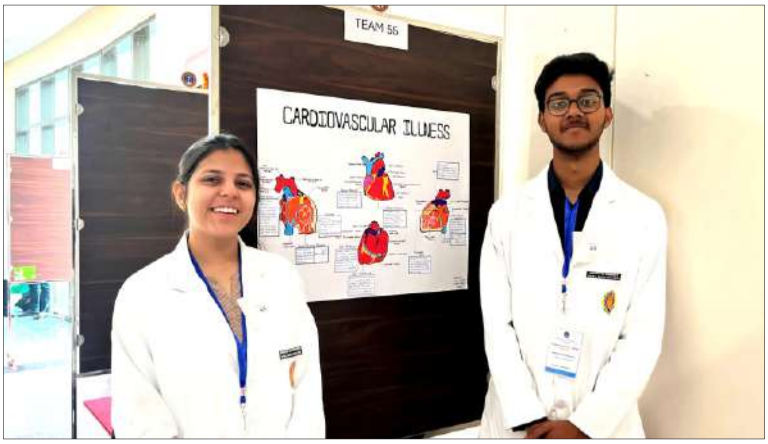

पोस्टर प्रस्तुति के दौरान एमबीबीएस के विद्यार्थी

दिनांकः 08 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर मे एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले 20 छात्र छात्राओं ने डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी एम्स गोरखपुर के फिजियोथियन 2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

यहां विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। इसके माध्यम से इन्होंने शरीर क्रिया विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को बारीकी से समझा एवं उसके बारे में विस्तृत जानकारी अर्जित किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ फिजियोलॉजी विभाग की शिक्षिका डॉ. बीनू प्रजापति, शिक्षक डॉ. रामकुमार एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग की शिक्षिका डॉ. अनुपमा ओझा उपस्थित रहीं।

'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाषण एवं पोस्टर प्रस्तुति देती छात्राएं

दिनांकः 08 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' का आयोजन किया गया जिसका मुख्य विषयः सभी महिलाओं और लड़कियों के लिएः अधिकार, समानता, सशक्तिकरण रहा।

इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आज के इस अवसर पर एएनएम द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्रा अन्नम खातून ने पोस्टर के मध्यम से भाषण को प्रस्तुत किया। उन्होंने इस वर्ष के मुख्य विषय के बारे में बताते हुए कहा कि यह उन कार्यों का आह्वान करता है जो सभी के लिए समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुनिश्चित कर सकते हैं और एक ऐसे नारीवादी भविष्य का निर्माण कर सकते हैं जहां कोई भी पीछे न छूटे। उन्होंने अपना भाषण एक सुन्दर उद्धरण से शुरू किया।

'तू है आज की नारी
अब तू नहीं रही बेचारी
करती हूँ तुझे शत शत
तेरी शक्ति तुझे सलाम'

आज इस पवन अवसर पर हम सब यहाँ एक महत्वपूर्ण दिन 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' को मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह दिन केवल महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि समाज में

महिलाओं का स्थान और अधिकार कितने महत्वपूर्ण हैं। महिलाएँ समाज की नींव होती हैं। वे परिवार की 'धुरी' में रहती हैं और समाज के प्रति अपनी शक्ति और समर्थन के रूप में योगदान देती हैं। चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, विज्ञान हो, राजनीति हो या खेल, महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुकी हैं। हम यह नहीं भूल सकते कि महिलाओं के संघर्ष और उनकी मेहनत से समाज की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इतिहास में कई ऐसी महिलाएँ उदाहरण हैं जिन्होंने नारी शक्ति का अहसास दिलाया और एक नई शुरुआत की। रानी लक्ष्मीबाई, मदर टेरेसा, सरोजिनी नायडू, कल्पना चावला और कई अन्य महान महिलाओं ने हमें सिखाया कि संकल्प महत्वपूर्ण है और कोई भी मुश्किल हमें रोक नहीं सकती है।

अतः हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे। समाज में सशक्तिकरण केवल एक विचार नहींए बल्कि एक क्रांति है, जो हमें एक न्यायसंगत और संतुलित भविष्य की ओर ले जाएगी।नारी शक्ति को केवल सम्मान ही नहीं, अवसर भी चाहिए। जहाँ नारी समर्थ होती है, वहीं समाज समृद्ध होता है| आइए, हम सभी मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ हर नारी आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानित हो।

विश्व किडनी दिवस

पोस्टर प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए डॉ. दीपक चंद्र श्रीवास्तव एवं डॉ. रोहित श्रीवास्तव

फैकेल्टी आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

दिनांकः 12 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी गोरखपुर के अंतर्गत फैकेल्टी आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल मैं विश्व किडनी दिवस का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डॉ. दीपक चंद्र श्रीवास्तव के कर कमल द्वारा हुआ।

इस कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल वह पोस्टर के प्रस्तुति से प्रारंभ हुई जिसमें बच्चों ने CKD,AKI, किडनी की संरचना, हीमो डायलिसिस, पेरिटोनियल डायलिसिस से संबंधित मॉडल और पोस्टर किए। इसके पश्चात डॉ. दीपक श्रीवास्तव द्वारा एक अतिथि व्याख्यान लिया गया जिसमें डॉक्टर श्रीवास्तव ने किडनी से संबंधित जानकारियां जैसे किडनी से संबंधित रोगों, किडनी की देखभाल व रोगों से बचने के तरीकों के बारे में डायलिसिस विभाग के बच्चों को बताया।

डायलिसिस विभाग के कोऑर्डिनेटर संजीव विश्वकर्मा द्वारा यह जानकारी दी गई की विश्व किडनी दिवस मार्च के प्रथम सप्ताह में मनाया जाता है जिसके द्वारा किडनी की हो रही बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डायलिसिस यूनिट के विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण भूमिका रही तथा पैरामेडिकल विभाग के सभी शिक्षकों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम का समापन पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव के आभार ज्ञापन के बाद हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः 19 मार्च, 2025 को महायोगी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय एवं सोसाइटी फॉर बॉयोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 01 अप्रैल 2025 तक होने वाले तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक 'आयुर्वेद एवं बॉयोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' में आईसीएमआर के पूर्व निदेशक पदम श्री प्रो. बलराम भार्गव जी मुख्य अतिथि के रूप में संगोष्ठी का शुभारंभ करेंगे।

प्रो. बलराम भार्गव

यह जानकारी देते हुए संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पदमश्री डॉ. भार्गव भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक रहे है डॉ. भार्गव जी ने कोविड–19 महामारी से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाया है। कोविड–19 के दौरान भारतीय कोविड वैक्सीन के विकास और अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करने में इन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया है। विज्ञान और अन्वेषकीय क्षेत्र में डॉ. भार्गव जी ने उत्कृष्ट कार्य किया है ।विषय विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से संगोष्ठी के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन होगा।

प्रो सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी से प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजक समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश और विदेश के इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं। अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए देश और विदेश के प्रोफेसर और शोधार्थियों के शोध आलेख शोध प्रकाशन समिति को प्राप्त हो रहे है।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः 22 मार्च, 2025 को महायोगी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय एवं सोसाइटी फॉर बॉयोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 01 अप्रैल 2025 तक होने वाले तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विषयक 'आयुर्वेद एवं बॉयोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' में 1 अप्रैल को समारोप सत्र में सीएसआईआर–राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी जी मुख्य अतिथि होंगे।

डॉ. अजीत कुमार शासनी

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि डॉ. अजीत कुमार शासनी जी वर्तमान में सीएसआईआर –राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। सीएसआईआर–एनबीआरआई में शामिल होने से पहले उन्होंने आईसीएआर–राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक और सीएसआईआर –केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पादप संस्थान, लखनऊ के जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग के मुख्य वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विषय विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन होगा।

आयोजक समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 210 शोध आलेख प्राप्त हुए है जिन्हें शोध प्रकाशन समिति अन्वेषकीय वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध आलेखों का गहनता से अध्ययन कर शोध ग्रन्थ का स्वरूप दे रहे है। उद्घाटन सत्र में उत्कृष्ट शोध पत्रों की स्मारिका का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया जाएगा।

शोध स्मारिका में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश और विदेश के इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी के विषय विशेषज्ञों ने अपने शोध आलेख सम्मेलन के समन्वयक समिति को प्रेषित किया है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आने वाले अंतराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के अन्वेषकीय अभिभाषण से वैज्ञानिकता के गुण सीखने के लिए संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी भी उत्सुकता से तैयारी में बढ़चढ़ कर प्रतिभाग

स्वास्थ्य शिविर

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय गोरखपुर

ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए नर्सिंग की छात्राएं एवं परामर्श देते हुए डॉ. अनुराग श्रीवास्तव

दिनांकः 23 मार्च 2025। कहा जाता है कि शरीर ही सभी धर्मों का सबसे पहले साधन है और जब शरीर स्वस्थ रहेगा आसानी से सभी कार्य होते जाएंगे। शरीर ही सबसे बड़ा धन और शरीर व्याधियों का मंदिर भी है इसीलिए समय–समय पर अपने शरीर को विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच करने से जीवन उत्तम हो जाता है।

इसी क्रम में महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय गोरखपुर के तत्त्वावधान में कुलपति डॉ. सुरेंद्र सिंह एवं निदेशक डॉ. राजीव पाटनी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के निर्देशन में दस डॉक्टरों की टीम द्वारा नगर पंचायत चौक स्थित दिग्विजयनाथ इंटरमीडिएट कॉलेज में 500 से अधिक शुगर ब्लड प्रेशर नेत्र रोग बाल रोग एवं सामान्य रोग से संबंधित रोगियों के रोगों की जांच हुई तथा दवा भी वितरित की गई।

प्रातः 9:00 बजे से ही मरीजों की कतार लगने लगी जिसमें विविध प्रकार के विशेषज्ञों द्वारा मरीजों को उचित परामर्श दिया गया जिसमें डॉ. अजीथा प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज डॉ. मनोज गुप्ता जनरल मेडिसिन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव कैंसर एवं जनरल सर्जन प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज डॉ. विशेषता प्रस्तुति रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा सिंह एवं डॉ. गौरीशंकर सिंह दन्त रोग विशेषज्ञ तथा डॉ. रेनू गुप्ता नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा मरीज का समुचित जांच किया गया।

इस निःशुल्क स्वास्थ्य मेला में नगर पंचायत चौक ओवरी

केवलापुर धर्मपुर लालपुर दरहटा सोनाड़ी खास 24 नर्सरी 27 नर्सरी करौता रुदलापुर पिपरा सोनाड़ी झुंगवां नाथनगर बरगदही तथा कम्हरिया कला के लोगों ने बढ़–चढ़कर निशुल्क स्वास्थ्य मेला में भाग लिया और अपने रोग संबंधी समस्याओं का निदान पाया। चौक छावनी के प्रभारी डॉ. एस. पी. सिंह ने कहा कि निःशुल्क स्वास्थ्य मेला इस क्षेत्र के लिए वरदान साबित हुआ है। प्रधानाचार्य डॉ. हरिन्द्र यादव द्वारा स्वास्थ्य मेला का कुशल संयोजन किया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। सूचना मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश कुमार तिवारी द्वारा दी गई।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

बी.ए.एम.एस. विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. अभिमन्यु कुमार

दिनांकः 25 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ व्याख्यान के लिए प्रो. अभिमन्यु कुमार, अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय फॉर वैदिक वेलनेस स्ट्रिमबुडली, यू.एस.ए. के कुलपति एवं निदेशक, करेंट ट्रेंड इन आयुर्वेद इन ग्लोबल परस्पेक्टिव विषय पर वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

इस व्याख्यान का उद्देश्य आयुर्वेद के प्रति छात्रों में आत्मविश्वास लाना था। सर ने व्याख्यान की शुरुआत करते हुए सबसे पहले सभी छात्रों को सेल्फ रिस्पेक्ट और सेल्फ सटिस्फेक्शन को महत्वता देने को कहा। सर ने इण्टरनेट बनाम नेविगेशन टेक्निक का संदर्भ चरक संहिता के लेखन कला को कहा है। व्याख्यान में सर ने बताया अगर हम अपनी विद्या में विशिष्ट हो तो हमें कोई और विद्या चुनौती नहीं दे सकती है। उन्होंने व्याख्यान में हमें यह भी अवगत कराया कि आयुर्वेद के कुछ निबंधन है जो ऑक्फोर्ड डिक्सनरी में जुड़ने जा रही है और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकता के रूप में लाने के लिए गंभीर करवाई और योजना बना रहा है। उन्होंने यह भी समझाया कि आयुर्वेद वो पद्धति है जिसे हम बहुत से विधाओं से जोड़ कर उसके उपयोगिता को बढ़ा सकते है।

सर ने व्याख्यान के द्वारा हमें आयुर्वेद में किए गए अपने उत्कृष्ट कार्य भी दिखाए। उन्होंने हमें अपनी वेवसाइट भी दिखाई जिसमें आयुर्वेद और एआई शामिल है जो आयुर्वेद में सर्वोच्च आविष्कार होगा।

व्याख्यान का अध्यक्षीय उद्बोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह द्वारा किया गया और महोदय ने संबोधन करते हुए सभी छात्रों का प्रो. के. अभिमन्यु से इण्टरेक्ट करके ग्लोबल कैरियर आपरच्यूनिटी को समझने पर जोर डाला। व्याख्यान सत्र का धन्यवाद ज्ञापन आयुर्वेद संकाय के रस शास्त्र एवं भैसज्य कल्पना विभाग के विभागाध्यक्ष, ए. के. नवीन कोडलेडी जी ने किया। व्याख्यान सत्र में सम्बद्ध विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग संकाय के सभी प्राचार्य एवं छात्र छात्रा उपस्थित थे।

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर : अतिथि व्याख्यान

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

दीप प्रज्ज्वलन के दौरान डॉ. आकृति, श्री अभिषेक सिंह एवं डॉ. डी.एस. अजीथा

दिनांकः 26 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषयः 'गर्भाशय ग्रीवा कैंसर' रहा।

आज के इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्माननीय विशिष्ट वक्ता डॉ. आकृति (बाँझपन विशेषज्ञ, बिड़ला प्रजनन क्षमता एवं आईवीएफ, गोरखपुर, श्री अभिषेक सिंह, सुश्री सुजाता (स्टाफ नर्स, बिड़ला प्रजनन क्षमता एवं आईवीएफ, गोरखपुर), श्री आकाश त्रिपाठी, डॉ. डी. एस.

अजीथा (प्राचार्य) फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज), सभी नर्सिंग संकाय सदस्य एवं बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राएं उपस्थित थी।

कार्यक्रम में आए हुए माननीय अतिथियों को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य, डॉ. डी. एस. अजीथा द्वारा दिए गए स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। उन्होंने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओं में पाया जाने वाला एक गंभीर लेकिन रोके जाने योग्य कैंसर है, जो ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होता है। भारत में यह दूसरा सबसे आम स्त्री रोग संबंधी कैंसर है, जिससे हर साल हजारों महिलाओं की मृत्यु होती है। इसके प्रमुख कारणों में एचपीवी संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र और कुपोषण शामिल हैं। प्रारंभिक लक्षणों में अनियमित योनि रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त स्राव और श्रोणि में दर्द शामिल हैं। पैप स्मीयर टेस्ट और एचपीवीडीएनए टेस्ट से इसका प्रारंभिक निदान संभव है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण उपचार जैसे सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी आदि शामिल हैं। इसके रोकथाम के लिए एचपीवी टीकाकरण, सुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान से बचाव और नियमित स्क्रीनिंग आवश्यक है। इस विषय का अध्ययन अत्याधिक आवश्यक है क्योंकि जागरूकता की कमी के कारण महिलाएं समय पर जांच नहीं करवाती हैं, जिससे मृत्यु दर बढ़ जाती है। सही और समय पर स्क्रीनिंग से इस घातक बीमारी को रोका जा सकता है और जीवन बचाया जा सकता है। अंत में कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम के साथ किया गया।

सामुदायिक क्षेत्र में जन स्वास्थ्य शिक्षा

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक करतीं नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांकः 27 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष के कुल 50 छात्राओं ने दो समूह में पाँच शिक्षिकाओ (मिस प्रज्ञा मिश्रा, मिस निधि राय, मिस अभय प्रजापति, मिस सुमन, मिस समरीन) के मार्गदर्शन में जंगल कौड़िया, गोरखपुर में स्थित सामुदायिक क्षेत्र में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता और संचारी रोग पर जागरूकता फैलाई। इसमें गाँव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ और वयस्क उपस्थित थे। रोल प्ले के माध्यम से उन्होंने बताया की मासिक धर्म स्वच्छता महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह मासिक रक्तस्राव के दौरान उचित सफाई बनाए रखने की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य संक्रमण से बचाव, आत्मविश्वास बढ़ाना और प्रजनन स्वास्थ्य की रक्षा करना है। उचित स्वच्छता जैसे स्वच्छ पैड/कप का उपयोग, नियमित सफाई और साफ पानी से धुलाई आवश्यक है। इससे संक्रमण, दुर्गंध, प्रजनन संबंधी रोग और सामाजिक शर्मिंदगी से बचाव होता है। मासिक धर्म स्वच्छता के मुख्य सिद्धांतों में स्वच्छता बनाए रखना, उचित अपशिष्ट निपटान और व्यक्तिगत जागरूकता शामिल हैं। इसलिए, 'स्वच्छता अपनाएं, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ाएं।' 'स्वस्थ जीवन के लिए मासिक धर्म को सहजता से अपनाएं और स्वच्छता के नियमों का पालन करें। संक्रामक रोग के बारे में बताते हुए कहा की यह वे बीमारियाँ हैं जो बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या कवक से फैलती हैं। इनके कारण दूषित जल, भोजन, वायु, संक्रमित व्यक्ति या जीवाणु वाहक हो सकते हैं। लक्षणों में बुखार, कमजोरी, खांसी, उल्टी–दस्त आदि शामिल हैं, जो रोग के प्रकार पर निर्भर करते हैं। जटिलताएँ जैसे अंग विफलता, दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ या मृत्यु तक हो सकती हैं। इनका प्रबंधन दवाओं आराम, पोषण और चिकित्सा देखभाल से किया जाता है।

रोकथाम के लिए टीकाकरण, हाथ धोना, स्वच्छता बनाए रखना, सुरक्षित भोजन और जल का सेवन और संक्रमित लोगों से दूरी आवश्यक है।

अंत में उन्होंने कहा कि रोग से बचाव ही सबसे अच्छी दवा है। 'स्वच्छता, टीकाकरण और सतर्कता से स्वयं और समाज को सुरक्षित रखें।

पुरस्कार समारोह

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

वाद–विवाद एवं पोस्टर प्रतियोगिता में प्रमाण–पत्र के साथ पुरस्कृत प्रतिभागी

दिनांकः 28 मार्च, 2025 को जिला समाज कल्याण अधिकारी के द्वारा आज जिला स्तरीय वाद विवाद एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन दिग्विजयनाथ स्नातक महाविद्यालय किया गया।

जिसमें संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के दो विद्यार्थी ने प्रतिभाग किया जिसमें बीएससी बॉयोकेमिस्ट्री से नंदनी सौरभ एवं बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी से शिवम् पाण्डेय ने प्रतिभाग किया।

भाषण प्रतियोगिता मे शिवम् पाण्डेय को सांत्वना पुरस्कार एवं पोस्टर प्रतियोगिता मे नंदनी सौरभ को तृतीय स्थान मिला। विद्यार्थियों को दिग्विजयनाथ स्नातक महाविद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय द्वारा सम्मानित किया गया तथा जिला समाज कल्याण समाज अधिकारी बी एन सिंह द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसाचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दुबे, धनंजय पाण्डेय एवं डॉ. पवन कन्नौजिया ने बधाई दिया।

जागरूकता कार्यक्रम

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 28 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष के कुल 50 छात्राओं ने दो समूह में चार शिक्षिकाओ (मिस अभ्या प्रजापति, मिस सुमन यादव, मिस निधि राय, मिस प्रज्ञा मिश्रा) के मार्गदर्शन में घुरवा टोला, सिक्टौर गांव, गोरखपुर में स्थित सामुदायिक क्षेत्र में परिवार नियोजन एवं मादक द्रव्यों के सेवन पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से परिवार नियोजन और मादक द्रव्यों का सेवन के बारे में जागरुक किया। इसमें गाँव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ और वयस्क उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि नशे की लत से याददाश्त की कमी, मानसिक अस्थिरता, लीवर की बीमारियाँ और सामाजिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इसकी रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान, परिवार का सहयोग, नशामुक्ति केंद्रों की सहायता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर ज़ोर देना चाहिए। दूसरे समूह ने परिवार नियोजन के बारे में बताते हुए कहा की परिवार नियोजन एक महत्वपूर्ण पहल है जो लोगों को अपने प्रजनन स्वास्थ्य पर नियंत्रण रखने में मदद करती है। यह बच्चों की संख्या और उनके जन्म के समय का निर्धारण करने का अधिकार देता है, जिससे व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण में सुधार होता है। यह महिला और पुरुष दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है और समुदायों को समृद्ध बनाने में मदद करता है। परिवार नियोजन महिलाओं को अनचाहे गर्भावस्था से बचने में मदद करता है, जिससे मातृ और शिशु मृत्यु दर कम होती है। यह परिवार नियोजन परिवारों को अपने संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद करता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण रखने से प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होता है और अधिक सतत जीवन शैली को बढ़ावा मिलता है, जिससे वे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

बॉब–2025

प्रथम दिवस

उद्घाटन समारोह

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

विद्यर्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. एडाथिल विजयन एवं प्रो. सुभाषचन्द्र लखोटिया

विद्यर्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. चंचाई बूनला एवं डॉ. राजीव सिंह

दिनांकः 30 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बॉयोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से संयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव जी, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के शिक्षा सलाहकार और टीआईएसएस के कुलाधिपति, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष और नेक निदेशक प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह जी, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह, प्रो. (डॉ.) एससी लखोटिया, प्रो. (डॉ.) चंचाई बूनला, प्रो. (डॉ.) एडाथिल विजयन ने दीप प्रज्वलित सम्मेलन का उद्घाटन किया।

सम्मेलन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के (महाकुंभ) पर केंद्रित पुस्तक और प्रो. सुनील कुमार सिंह द्वारा संपादित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन की 'शोध संदर्भ पुस्तिका का लोकार्पण अतिथियो ने किया। प्रो. (डॉ.) के. रामचंद्रन रेड्डी जी कुलपति महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के पुस्तक के सार को व्याख्यादित किया।

अंतर्रास्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि वैक्सीन नायक पद्मश्री प्रो. (डॉ.) बलराम भार्गव ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद और जैव चिकित्सा विज्ञान से चिकित्सा के

सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए डॉ. जनेश दूबे एवं प्रो. सुभाषचन्द्र लखोटिया जी को लाइफ टाइम एचीवमेंट एवार्ड भेंट करते हुए प्रो. बलराम भार्गव एवं डॉ. डी.पी. सिंह

क्षेत्र में वैश्विक नवाचार हो रहा है। आयुर्वेद की प्राचीन वैदिक चिकित्सा पद्धति और जैव चिकित्सा के समन्वय से स्वास्थ सेवा समृद्ध और सशक्त हो रहा है। जिससे मानवता के लिए एक उज्जवल भविष्य का मार्गदर्शन प्रशस्त हुआ है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जैव प्रौद्योगिकी ने न केवल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं, बल्कि आयुर्वेद, जो एक प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति में भी इसके अनुप्रयोग ने नई संभावनाओं का द्वार खोला है। आयुर्वेद, जो कि जीवन और स्वास्थ्य के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है, अपनी जड़ों से जुड़े हुए प्राकृतिक उपचारों को महत्वपूर्ण मानता है। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी, जीवों और उनके घटकों का उपयोग करके विभिन्न चिकित्सा उत्पादों का विकास करती है।

प्रो. बलराम भार्गव जी ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता पर शुभकामना देते हुए कहा कि पूर्ण विश्वास है तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधार्थियों के अन्वेषकीय पत्रों की प्रस्तुति से चिकित्सा पद्धतियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव जी ने सम्मेलन में युवाओं का आह्वाहन करते हुए कहा कि विकसित भारत में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, नए सपनों के साथ नई चुनौतियां भी हमारे सामने है, आईटी, मोबाइल और हेल्थ के क्षेत्र में तेजी से क्रांतिकारी विकास हुआ है। चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें वैश्विक स्तर पर तैयार रहना होगा।

हरित और सफेद (दुग्ध) क्रांति में भारत ने पूरे विश्व में उच्च स्थान बनाया है। चंद्रयान, विक्रम, साउथ पोल और गगन इंडिया से भारत ने वैश्विक पहचान स्थापित किया। पोखरण की सफलता से न्यूक्लियर पावर को विश्व ने देखा, पोखरण 2 में भारत सुपर पावर ऑफ वर्ल्ड बना है जिसमें जैव प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दुनिया में कोविड 19 के प्रकोप के दौरान भारत ने इंडीजिनस कोविड 19 वैक्सीन बनाकर दुनिया की स्वास्थ सेवा की संजीवनी दिया। विकसित भारत में मेक इन इंडिया, मेडिकल टूरिज्म, आयुर्वेद, हेल्थ केयर में भी नई कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

अंतर्रास्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के शिक्षा सलाहकार और टीआईएसएस के कुलाधिपति, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष और नेक निदेशक प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह जी ने नवरात्र की शुभकामना देते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा से संस्कार और राष्ट्र सेवा का भाव जागृत होता है। 21वीं सदी में स्वास्थ्य सेवा में प्राचीन आयुर्वेद, यूनानी और जैव प्रौद्योगिकी ने पुरातन और नए नवाचारों से मानव सेवा का पवित्र संकल्प पूरा किया है। पुरातन स्वास्थ्य सेवा का अध्ययन कर नए चिकित्सा पद्धति में सेवा आयुर्वेद, योग, यूनानी का गहन अध्ययन कर भारतीय शिक्षा पद्धति को समृद्ध करने का प्रयास करें। बॉयोटेक्लॉजी में नए शोध नवाचार और सृजन से अन्वेषकीय कार्य हो रहे है। इस सम्मेलन में जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा और आयुर्वेद के संभावनाओं को तलाशने का अवसर मिलेगा। वैश्विक समय में नई चुनौतियां हमारे सामने आएगी उसे नए संकल्पों के साथ हमे स्वीकार करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यक्तित्व विकास के संकल्पों को विकसित करता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह जी ने शुभकामना देते हुए कहा, 'यह सम्मेलन उभरते वैज्ञानिक रुझानों और नवाचारों को समझने तथा शोधकर्ताओं को आपस में संवाद का मंच प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह सम्मेलन जैव प्रौद्योगिकी, औद्योगिक सूक्ष्म जीवविज्ञान, पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी, नैनो बॉयोटेक्नोलॉजी और बॉयोइन्फॉर्मेटिक्स जैसे विषयों पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह आयोजन जैव प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म जीवविज्ञान अनुसंधान में नए आयाम स्थापित करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि शोध में नैतिकता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अतः छात्रों को विज्ञान के अनुसंधान को समाज के लिए उपयोगी बनाते समय नैतिकता और सामाजिक मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए।

यस. बीटीआई लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड : सम्मेलन में जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए वनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के डिपार्टमेंट ऑफ जूलोजी के एमेरिटस प्रो सुभाष लखोटिया जी को लाइफ टाइम लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और स्कूल ऑफ लाइफ साइंस नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी शिलांग के पूर्व अधिष्ठता प्रो. रमेश शर्मा जी को पद्मश्री बलराम भार्गव जी और प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह जी ने डी एस पाउले ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया।

सोसाइटी अवॉर्ड की घोषणा यस. बीटीआई के अध्यक्ष प्रो. डॉ. एडथिल विजयन जी ने किया।

सम्मेलन के संयोजक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि अंतराष्ट्रीय सम्मेलन से युवा

शोधकर्ताओं को नए दृष्टिकोण और वैज्ञानिक नवाचारों को समझने का अवसर मिला है। सम्मेलन में देश–विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। जैव प्रौद्योगिकी व सूक्ष्म जीवविज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान प्रगति पर चर्चा से नए संकल्पों के मार्ग प्रशस्त होंगे।

उद्घाटन सत्र के प्रथम दिवस पर आयोजन सचिव डॉ. अमित कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियो, वक्ताओं और प्रतिभागियों का इस महत्वपूर्ण सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उद्घाटन सत्र का मंच संचालन डॉ. अनुकृति ने किया।

सेमिनार के पहले तकनीकी सत्र से पूर्व मुख्य उद्बोधन में आयुर्वेदिक जीव विज्ञान के अंतर्संबंधों पर मार्गदर्शन करते हुए प्रो. डॉ. सुभाष सी. लखोटिया, एमेरिट प्रो. प्राणी शास्त्र बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने कहा कि आयुर्वेद को वैज्ञानिक पद्धति से सत्यापित करके इसके प्रभावी पहलुओं को अपनाना चाहिए। पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक ढंग से समझने के लिए एक अग्रगामी, निष्पक्ष और समावेशी दृष्टिकोण आवश्यक है। सत्र में विशेषज्ञों का मानना रहा कि स्टेम सेल रिसर्च और कैंसर बायोलॉजी में हो रहे नवीनतम विकास, भविष्य में चिकित्सा विज्ञान के लिए क्रांतिकारी साबित होंगे।

सम्मेलन में उपस्थित शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने इन महत्वपूर्ण विषयों पर अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए और जैव प्रौद्योगिकी में नए अवसरों को लेकर गहन चर्चा की। शोधकर्ताओं ने जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीवविज्ञान, कैंसर बायोलॉजी, औषधीय पौधों और स्वास्थ्य देखभाल में प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित अपने नवीनतम अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किए।

शोध प्रस्तुतियों के बाद प्रतिभागियों और विशेषज्ञों के बीच विचार–विमर्श हुआ, जिसमें शोध की संभावनाओं, व्यावहारिक अनुप्रयोगों और भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई। यह सत्र सम्मेलन के मुख्य आकर्षणों में से एक रहा और इसमें प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

प्रथम तकनीकी सत्र में व्याख्यान विषय हाइड्रोज़िटला फेनोलिक कैल्शियम ऑक्सालेट पत्थर के निर्माण को रोकने, उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने और जीवनकाल बढ़ाने के लिए प्रोफ़ाइल और चिकित्सा लाभ पर प्रो. (डॉ.) चांचाई बूनला चिकित्सा संकाय, जैव रसायन विभाग, चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय बैंकाक ने नवीनतम दवा खोज तकनीकों पर चर्चा की और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग से नई औषधियों के विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया।

इस सत्र में शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने नवीन दवा विकास, औषधीय जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों पर भी गहन चर्चा की। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) दिनेश यादव, सह–अध्यक्षता डॉ. रामवंत गुप्ता एवं प्रतिवेदन डॉ. अंकिता मिश्रा ने किया।

द्वितीय व्याख्यान विषय व्यक्तिगत चिकित्सा के पीछे का विज्ञान पर प्रो. (डॉ.) सुमादी डी सिल्वा प्रोफेसर, जैव रसायन विज्ञान संस्थान, आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका ने विज्ञान के रहस्य और उसके उपयोगिता पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

तृतीय व्याख्यान आयुर्वेद और औषधीय पौधों के अनुसंधान के बीच अंतर प्रबंधनः बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए आवश्यक यात्रा पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग, काठमांडू विश्वविद्यालय, नेपाल के अधिष्ठाता प्रोफेसर (डॉ.) जनार्दन लामिछाने ने आयुर्वेदिक पौधों के साथ विज्ञान के अद्भुत संतुलन को अन्वेषकीय दृष्टि से प्रस्तुत किया।

चतुर्थ व्याख्यान विषय ग्लूटामेट रिसेप्टर चौनल के कार्यों को ठीक करनाः पोस्टट्रांसक्रिप्शनल और पोस्टट्रांसलेशनल नियंत्रण को सुलझाना विषय पर सेलुलर और आणविक जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जनेश दुबे ने जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा पद्धति पर विस्तार से शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में युवा शोधकर्ताओं के लिए एसबीटीआई पुरस्कार प्रस्तुतियाँ और मौखिक प्रस्तुति आयुर्वेद भवन में संयोजित हुआ जिसकी की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) एडाथिल विजयन, सह–अध्यक्षता डॉ. राजीव सिंह, प्रतिवेदन डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया ने किया। विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों के समक्ष शोधार्थी और युवा वैज्ञानिको को शोध प्रस्तुति, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रस्तुति, मौखिक प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति में अन्वेषकीय ज्ञानार्जन के साथ विज्ञान और आयुर्वेद के बहुमूल्य योगदान और समृद्ध शैक्षणिक आदान–प्रदान से सम्मेलन समृद्ध होगा।

आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में देश विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों को आध्यात्म, आयुर्वेद और विज्ञान के अद्भुत संयोग से युवा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आपस में साक्षात्कार करने का सौभाग्य मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के विविध राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में राष्ट्र गान, सरस्वती वंदना और वन्देमातरम का गान नंदनी तिवारी, ऋचा मिश्रा, अंतरा पटवा, रचना सिंह, स्वीटी सिंह, स्नेहा त्रिपाठी, आशीष चौधरी, नीरज पासवान ने किया।

उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. अनुकृति राज और तकनीकी सत्र का संचालन जिज्ञासा सिंह एवं प्रशांत गुप्ता ने किया। उद्घाटन सत्र में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर के पूर्व कुलपति डॉ. ए. के. सिंह, प्रो शशिकांत सिंह, डॉ. विमल दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, आयोजन सचिव डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. धिरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवैधनाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. प्रेरणा अदिती, डॉ.किरन कुमार ए., डॉ. आशुतोष श्रीवास्वत, श्री धन्नजय पाण्डेय, डॉ. रश्मि झा, सुश्री सृष्टि यदुवंशी, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री जन्मेजय सोनी, डॉ. रश्मि शाही, डॉ. अनुकृति राज, डॉ. मंतव्य सिंह, श्री अनिल कुमार मिश्रा, सुश्री मिताली पटेल, श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री पुनीत सिंह, सहित सभी विभागों के शिक्षकगण एवं सैकड़ो छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
बॉब–2025

द्वितीय दिवस

अतिथि व्याख्यान

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए प्रो. रमेश शर्मा एवं प्रो. दिनेश यादव

सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी एवं प्रो. सरीता जी भट्ट

दिनांकः 31 मार्च, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बॉयोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से चल रहे तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के द्वितीय दिन जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद चिकित्सा के प्राचीन और नूतन चिकित्सा सेवा के स्वर्णिम वरदान पर वैज्ञानिकों और शोधार्थी ने अन्वेषकीय संवाद किया।

दूसरे दिन 4 तकनीकी सत्रों में 12 अतिथि मुख्य वक्ताओं के निर्देशन में 110 शोधार्थियों ने शोध पत्रों का वाचन कर विषय की उपयोगिता पर विशेषज्ञों से ज्ञानार्जन किया।

आयुर्वेद दीर्घायु जीवन की अचूक औषधि हैं। प्रो. रमेश शर्मा प्रथम सत्र में स्कूल ऑफ लाइफ साइंस शिलांग के अधिष्ठाता प्रो. रमेश शर्मा ने आयुर्वेद में दीर्घायु होने के महत्त्व पर चर्चा करते हुए कहा कि आयुर्वेद के प्राचीन वैदिक चिकित्सा पद्धति और जैव चिकित्सा के समन्वय से स्वास्थ सेवा समृद्ध और सशक्त हो रहा है। जिससे मानवता के लिए एक उज्जवल भविष्य का मार्गदर्शन प्रशस्त हुआ है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जैव प्रौद्योगिकी ने न केवल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव किए है, बल्कि आयुर्वेद, जो एक प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति में भी इसके अनुप्रयोग ने नई संभावनाओं का द्वार खोला है। आयुर्वेद, जो कि जीवन और स्वास्थ्य के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है, अपनी

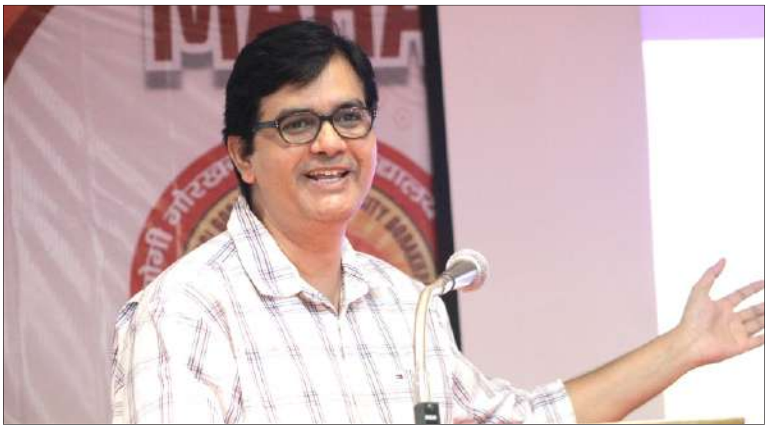

सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए डॉ. मानवेन्द्र सिंह, एवं डॉ. रूपाली

सम्मेलन में उपस्थित विद्यार्थी एवं शोधार्थी को सम्बोधित करते हुए डॉ. सिनोश साकारियाचन

जड़ों से जुड़े हुए प्राकृतिक उपचारों को महत्वपूर्ण मानता है। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी, जीवों और उनके घटकों का उपयोग करके विभिन्न चिकित्सा उत्पादों का विकास करती है।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक जटिल समस्या है। प्रो. यामिनी भूषण : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी ने विज्ञान और आयुर्वेद में मेटाबॉलिक सिंड्रोम (MS) के प्रबंधन और समन्वय पर दिशा निर्देश करते हुए कहा कि मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक जटिल समस्या है, जिसका प्रभाव शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों पर पड़ता है। आयुर्वेद और विज्ञान का समन्वय इस समस्या के प्रबंधन में अत्यधिक लाभकारी साबित हो सकता है। आयुर्वेद में समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाता है, जो आहार, हर्बल उपचार, योग और जीवनशैली में सुधार से शरीर को संतुलित करता है, जबकि विज्ञान इन उपायों के प्रभाव को प्रमाणित करने और उन्हें आधुनिक चिकित्सा के साथ जोड़ने में मदद करता है। इस प्रकार, आयुर्वेद और विज्ञान का संयुक्त उपयोग मेटाबॉलिक सिंड्रोम के प्रबंधन में प्रभावी और स्थायी समाधान प्रदान कर सकता है।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक संपूर्ण स्वास्थ्य समस्या है, जो विभिन्न मेटाबोलिक विकारों का समूह है, जैसे उच्च रक्तचाप, उच्च रक्त शर्करा, अधिक पेट की वसा और असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर। यह सिंड्रोम विभिन्न आधुनिक बीमारियों का कारण बन सकता है, जैसे कि दिल का दौरा, स्ट्रोक और टाइप–2 मधुमेह। इस संदर्भ में, आयुर्वेद और विज्ञान का समन्वय मेटाबॉलिक सिंड्रोम के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

गिलोय और एलोवेरा, हरीत की शरीर के मेटाबोलिक को संतुलित करता हैं। पुरातन स्वास्थ्य सेवा का अध्ययन कर नए चिकित्सा पद्धति में सेवा आयुर्वेद, योग, यूनानी, का गहन अध्ययन कर भारतीय शिक्षा पद्धति को समृद्ध करने का प्रयास करें।

बैकोपा मोनिएरी (ब्राह्मी) जीवन वरदान का औषधीय पौधा है . डॉ रूपाली : यूनिवर्सिटी ऑफ जेरुसलेम इजरायल की प्रो. (डॉ.) रूपाली गुप्ता ने तकनीकी सत्र में नेमाटोड तनाव के तहत बैकोपा मोनिएरी में बैकोसाइड, बॉयोसिंथेटिक पाथवे और रक्षा तंत्र का सूक्ष्मजीवी नियमन विषय पर शोध पत्र वाचन करते हुए कहा कि बैकोपा मोनिएरी (ब्राह्मी) जीवन वरदान रूपी औषधीय पौधा है, जो मानसिक स्वास्थ्य, स्मरण शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। बैकोसाइड की जैवसंश्लेषण प्रक्रिया पौधे की विभिन्न जैविक गतिविधियों से जुड़ी होती है, जिसमें सूक्ष्मजीवों का भी महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। बैकोपा मोनिएरी में बैकोसाइड, बायोसिंथेसिस और इसके रक्षा तंत्र का सूक्ष्मजीवों द्वारा नियमन एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण शोध क्षेत्र है। यह पौधा न केवल अपने जैविक गुणों के कारण प्रसिद्ध है, बल्कि इसका नेमाटोड तनाव से लड़ने का तरीका भी

जैविक और सूक्ष्मजीवी संवर्धन की ओर इशारा करता है। भविष्य में, बैकोपा मोनिएरी के बॉयोसिंथेटिक मार्गों और रक्षा तंत्र को समझने से हम इसे बेहतर कृषि उत्पादन और औषधीय उपयोग के लिए और प्रभावी बना सकते हैं।

बॉयोसिंथेसिस में जीन अभिव्यक्ति और एंजाइमों का समन्वय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब पौधा नेमाटोड के कारण तनाव में होता है, तो यह विभिन्न जैविक प्रतिक्रियाओं को उत्तेजित करता है, जो बैकोसाइड, के उत्पादन में वृद्धि कर सकती हैं।

पौधों के साथ जुड़े हुए विभिन्न सूक्ष्मजीव, जैसे बैक्टीरिया और कवक, उनके रक्षात्मक तंत्र को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। स्केप रोगाणुओं में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस से निपटने में संगणकीय औषधि खोज एक क्रांतिकारी दृष्टि है। डॉ. सीनोष स्क्रियाचन चौथे तकनीकी सत्र में संत पायस एक्स कॉलेज केरला के डॉ. सीनोष स्क्रियाचन ने कंप्यूटेशन ड्रग डिस्कवरी फॉर काउंटिंग एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस इन स्केप पैथोजंस पर कहा कि एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें बैक्टीरिया, वायरस, फंगी और परजीवी जैसे रोगजनकों द्वारा दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध विकसित किया जाता है। इसका मुख्य कारण असंवेदनशील दवाओं का अत्यधिक और अनियमित उपयोग है। ESKAPEरोगाणु बैक्टीरिया हैं, जो एंटीबायोटिक प्रतिरोध के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं और इन्हें स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों में गंभीर संक्रमणों का कारण माना जाता है। इन रोगाणुओं से निपटने के लिए एक प्रभावी रणनीति संगणकीय औषधि खोज (Computational äug Discovery) हो सकती है, जो एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण है और इसमें दवाओं का डिज़ाइन, चयन और परीक्षण संगणकीय उपकरणों के माध्यम से किया जाता है।

संगणकीय औषधि खोज का उद्देश्य रासायनिक संरचनाओं का विश्लेषण करना, लक्ष्य प्रोटीन के साथ उनकी इंटरैक्शन क्षमता को मापना और संभावित एंटीबायोटिक्स की पहचान करना है।मॉलिक्यूलर डॉकिंग, स्ट्रक्चरल बेस्ड ड्रग डिज़ाइन, क्वांटम कम्प्यूटेशन और मशीन लर्निंग से संगणकीय औषधि खोज AMR से निपटने के लिए कई संभावनाएं प्रदान करती है।

संगणकीय औषधि खोज वैश्विक स्वास्थ्य संकट को कम करने में मदद करेगा।

बॉयोटेक्नोलॉजी और औषधीय उत्पादों के विकास में साइटोकिनिन मुख्य कवक है . डॉ आनंद गौतम : बेन गुरियन यूनिवर्सिटी नेगेव इजरायल के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. गौतम आनंद ने फंगस में साइटोकिनिन प्रतिक्रिया और सेंसिंग पर शोध व्याख्यान में कहा कि साइटोकिनिन का कवकों में महत्वपूर्ण कार्य और भूमिका होती है, जो कोशिका विभाजन, विकास और पर्यावरणीय तनावों के प्रति प्रतिक्रिया में शामिल होती है। कवक में साइटोकिनिन रिसेप्शन और सेंसिंग तंत्र के माध्यम से, यह हार्मोन कवक की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। इसके अध्ययन से हमें न केवल कवकों के जीवन चक्र को बेहतर समझने में मदद मिलती है, कवक में साइटोकिनिन की प्रतिक्रिया और सेंसिंग (संवेदन) को समझना न केवल माइकोलॉजी (कवक विज्ञान) के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह कृषि और बॉयोटेक्नोलॉजी में भी उपयोगी हो सकता है। साइटोकिनिन पौधों में पाए जाने वाला हार्मोन है, जो कोशिका विभाजन, विकास, और वर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हार्मोन कवक (फंगस) में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संतुलित सेतु है आयुर्वेद और जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा . डॉ विवेक मौर्या : हालिम विश्वविद्यालय सक्रेट हार्ट हॉस्पिटल कोरिया के डॉ. विवेक मौर्या ने कहा कि जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेदिक चिकित्सा में अनुसंधान और विकास के नए द्वार खोले हैं। आयुर्वेद और जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा में संतुलित सेतु का सामंजस्य है आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और प्राचीन आयुर्वेद दोनों ही मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं। आयुर्वेद एक प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति है, जैव प्रौद्योगिकी एक उन्नत और अत्याधुनिक विज्ञान है, जो जीवन के जैविक प्रक्रियाओं का अध्ययन करके उपचार विधियों को बेहतर बनाता है। आज के समय में, आयुर्वेद और जैव प्रौद्योगिकी का संयोजन चिकित्सा के क्षेत्र में नई दिशा दिखा रहे है।

तकनीकी सत्रों में प्रमुख रूप से प्रो. राधा चौबे, डॉ. हेमंत बीड, डॉ. रोहित उपाध्याय, प्रो. सरिता जी भट, प्रो. दिनेश यादव, डॉ. मानवेंद्र सिंह, डॉ. शरद कुमार मिश्रा, प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी, डॉ. बृज रंजन मिश्रा, डॉ. मनीष सिंह राजपूत, डॉ. गौरव राज, प्रो. राजर्षी गौर, डॉ. राजकुमार ने जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा पद्धति और आयुर्वेद के अंतर्संबंधों पर शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया।

संयोजक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि बॉयोटेक्नोलॉजी में नए शोध नवाचार और सृजन से अन्वेषकीय कार्य हो रहे है। इस सम्मेलन में जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा और आयुर्वेद के संभावनाओं को तलाशने का अवसर मिला है।

आयुर्वेद को वैज्ञानिक पद्धति से सत्यापित करके इसके प्रभावी पहलुओं को अपनाना चाहिए। पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक ढंग से समझने के लिए एक अग्रगामी, निष्पक्ष और समावेशी दृष्टिकोण आवश्यक है।

सत्र में विशेषज्ञों का मानना रहा कि स्टेम सेल रिसर्च और कैंसर बॉयोलॉजी में हो रहे नवीनतम विकास, भविष्य में चिकित्सा विज्ञान के लिए क्रांतिकारी साबित होंगे।

सम्मेलन में उपस्थित शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने इन महत्वपूर्ण विषयों पर अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए और जैव प्रौद्योगिकी में नए अवसरों को लेकर गहन चर्चा की। शोधकर्ताओं ने जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीवविज्ञान, कैंसर बॉयोलॉजी, औषधीय पौधों और स्वास्थ्य देखभाल में प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित अपने नवीनतम अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किए।

शोध प्रस्तुतियों के बाद प्रतिभागियों और विशेषज्ञों के बीच विचार–विमर्श हुआ, जिसमें शोध की संभावनाओं, व्यावहारिक अनुप्रयोगों और भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई। यह सत्र सम्मेलन के मुख्य आकर्षणों में से एक रहा और इसमें प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

नवीनतम दवा खोज तकनीकों पर चर्चा की और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग से नई औषधियों के विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया।

इस सत्र में शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने नवीन दवा विकास, औषधीय जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों पर भी गहन चर्चा की। द्वितीय सत्र तकनीकी सत्र का डॉ. अनुकृति, प्रशांत गुप्ता, जिज्ञासा, असफिया, शगुन शाही, अनुष्का द्विवेदी, श्वेता गिरी, डॉ. रश्मि शाही ने किया।

उद्घाटन सत्र में अमित कुमार दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. धिरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवैधनाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. प्रेरणा अदिती, डॉ. किरन कुमार ए., डॉ. आशुतोष श्रीवास्वत, श्री धन्नजय पाण्डेय, डॉ. रश्मि झाँ, सुश्री सृष्टि यदुवंशी, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री जन्मेजय सोनी, डॉ. रश्मि शाही, डॉ. अनुकृति राज, डॉ. मंतव्य सिंह, श्री अनिल कुमार मिश्रा, सुश्री मिताली पटेल, श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री पुनीत सिंह सहित सभी विभागों के शिक्षकगण एवं सैकड़ो छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में आध्यात्म और शास्त्रीय गीत संगीत नृत्य ने सभी को झंकृत अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने आध्यात्म और शास्त्रीय गीत संगीत नृत्य ने सभी के मन की झंकृत किया ।

सरस्वती वंदना, गणेश वंदना, श्री राम भजन स्तुति, नव दुर्गा नृत्य, आरोही गौर ने भजन में आरोह से सभी की मंत्र मुग्ध किया

नव सृजन नृत्य अकादमी की निदेशिका पंखुड़ी श्रीवास्तव के नेतृत्व में शास्त्रीय नृत्य श्री राम चंद्र कृपाल भज मन, घूमर नृत्य और कृष्ण नृत्य में प्रीति यादव, साक्षी गुप्ता, आद्या वर्मा, सृजल श्रीवास्तव, जिगीशा सिंहा, मानवी शर्मा, निवेदिता सोनी ने सभी को मंत्र मुग्ध किया।

वहीं लिटिल चौंप में ईस्वी ग्रुप में संगीत नृत्य नाटिका में आराध्य, रुही कुमारी, आनंदिता राय, बॉयज मैसेप ग्रुप में राजवीर, रणबीर, आराध्या, तेज प्रताप, युवराज, अनुराग और आयुष ने अपने नृत्य से सभी को उत्साहित किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रमुख रूप से सोनाली, सिमरन, ऋचा, आकांक्षा, नंदनी सौरभ, अंजली, काव्यांजलि, जाह्नवी, अंतरा, मंजूषा, सागर, स्वीटी, स्नेहा, आख्या, अंजली, निकिता, नेहा, आकांक्षा, अंजली, अदिति, आरुषि, आयुषी, स्नेहा, सलोनी , अर्चिता, प्रकृति, गरिमा, अर्चना ने गीत, संगीत और नृत्य से सभी को बांधे रखा।

सांस्कृतिक संध्या का संचालन प्रीति शर्मा, गरिमा सिंह, अवंतिका और आख्या दुबे ने किया ।

सांस्कृतिक संध्या का निर्देशन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि झा, स्वीटी सिंह, अंजली गुप्ता, अर्चना उपाध्याय और गरिमा सिंह ने सहयोग किया।

मार्च माह की मुख्य बैठकें

10 मार्च 2025

माननीय कुलपति की अध्यक्षता में 10 मार्च, 2025 को आयोजित बैठक का कार्यवृत्त।

कार्यसूची : 3 गांवों (सोनबरसा, बालापार और सिकटौर) के ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना

निर्णय : तीनों गांवों से मरीजों को इलाज के लिए लाने के लिए बस चलाने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार, बस तीनों गांवों में जाएगी और वहां से मरीजों को इलाज के लिए लाएगी और उन्हें वापस छोड़ेगी। जिलाधिकारी से बात करें कि इन तीनों गांवों के उन लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाएं जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और किसी एक दिन कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनवा लें। यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाला हर छात्र एक गांव में 5 घरों को गोद लेकर उनका इलाज करेगा।

अप्रैल, 2025 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

05 से 15 अप्रैल, 2025	विश्वविद्यालयी मौखिक परीक्षा (वाग्भट्ट बैच)
21 अप्रैल से 02 मई, 2025	टर्म टेस्ट (नार्गाजुन बैच)

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

03 से 04 अप्रैल, 2025	तृतीय आंतरिक परीक्षा (द्वितीय वर्ष)
05 अप्रैल, 2025	मुख्य प्रयोगात्मक परीक्षा (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)
07 अप्रैल, 2025	प्रयोगात्मक परीक्षा (द्वितीय वर्ष)
11 व 15 अप्रैल, 2025	मुख्य परीक्षा (द्वितीय वर्ष)

फॉर्मेसी संकाय

07 से 09 अप्रैल, 2025	द्वितीय आंतरिक परीक्षा (द्वितीय वर्ष)
10 से 15 अप्रैल, 2025	आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन

अप्रैल, 2025 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

21 से 26 अप्रैल, 2025	तृतीय आंतरिक परीक्षा

कृषि संकाय

14 अप्रैल, 2025	अतिथि व्याख्यान
22 अप्रैल, 2025	शैक्षणिक भ्रमण

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

01 से 07 अप्रैल, 2025	अंधता निवारण सप्ताह
07 अप्रैल, 2025	विश्व स्वास्थ्य दिवस उत्सव
25 अप्रैल, 2025	विश्व मलेरिया दिवस

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

07 अप्रैल, 2025	विश्व स्वास्थ्य दिवस
25 अप्रैल, 2025	विश्व मलेरिया दिवस

समाचार दर्पण

NSS seven-day camp inaugurated in Ayurveda College

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: The seven-day camp of National Service Scheme at Guru Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda College) under Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur was inaugurated by Dr. Giridhar Vedantam, Principal of Ayurveda College on Saturday.

On this occasion, Dr. Vedantam said that this camp is an important opportunity for our students, where they will not only understand the importance of social service but will also develop their personality. In this camp, we have organized informative guest lectures, sports and cultural activities for you. Dr. Jayant Nath, present as keynote speaker in the intellectual session on the first day of the camp, gave a lecture on yoga and naturopathy. He highlighted the problems of sedentary lifestyle and explained how lifestyle diseases like cervical problems can be prevented and cured by yoga like Bhujangasana, Ushtrasana and Makarasana. Welcome speech and vote of thanks were given by Dr. Sadhvi Nandan Pandey and Dr. Srinath respectively.

कैंसर सर्जन डा. अनुराग बने गोरखनाथ मेडिकल कालेज के प्राचार्य

गोरखपुरः महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कालेज) के नए प्राचार्य सुप्रसिद्ध कैंसर सर्जन डा. अनुराग श्रीवास्तव ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह की मौजूदगी में प्राचार्य पद के साथ ही चीफ आपरेटिंग आफिसर, प्रोफेसर सर्जरी विभाग एवं अधिष्ठाता चिकित्सा संकाय के पद पर भी कार्यभार ग्रहण कराया गया। प्राचार्य पद ग्रहण करने से पूर्व सुभारती इंस्टीट्यूट आफ कैंसर मैनेजमेंट एंड रिसर्च, सुभारती मेडिकल कालेज (स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय) मेरठ के निदेशक थे। वह देश और विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कैंसर के विशेषज्ञ सर्जन तथा चिकित्सा शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। एम्स नई दिल्ली में डिपार्टमेंट आफ सर्जिकल डिसिप्लिन के विभागाध्यक्ष, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज जयपुर में सर्जिकल डिसिप्लिन के निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त डा. श्रीवास्तव नेशनल इंस्टीट्यूट आफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च में एथिक कमिटी के चेयरमैन भी रह चुके हैं। (विज्ञप्ति)।

लॉजिस्टिक व्यापक संभावनाओं वाला क्षेत्र

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में उद्योग की आवश्यकताओं और कार्यबल कौशल विषय पर एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान को लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविकांत यामर्थी ने संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान दौर में लॉजिस्टिक को व्यापक संभावनाओं वाला क्षेत्र बताते हुए इससे जुड़े पहलुओं की जानकारी दी। बीबीए इन लॉजिस्टिक्स पाठ्यक्रम के महत्व और इसमें कॅरिअर की संभावनाओं को उदाहरणों से समझाया। इस अवसर पर प्रो. एस. गणेशन, प्रो. (डॉ.) गायत्री एच, डॉ. तरुण शम आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। ब्यूरो

आयुर्वेद कॉलेज में रासेयो के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के सप्त दिवसीय शिविर का उद्घाटन शनिवार को आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने किया। उन्होंने कहा कि यह शिविर छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जहां वे न केवल समाज सेवा के महत्व को समझेंगे। बल्कि अपने व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे। इस शिविर में हमने उनके लिए ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यानों, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया है। इन गतिविधियों के माध्यम से शिविरार्थी न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी सशक्त होंगे। संवाद

डॉ. अनुराग श्रीवास्तव गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के नए प्राचार्य

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) के नए प्राचार्य, सुप्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह की उपस्थिति में उन्हें मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य पद के साथ ही चीफ आपरेटिंग आफिसर, प्रोफेसर सर्जरी विभाग एवं अधिष्ठाता चिकित्सा संकाय के पद पर भी कार्यभार ग्रहण कराया गया। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य पद ग्रहण करने से पूर्व सुभारती इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर मैनेजमेंट एंड रिसर्च, सुभारती मेडिकल कॉलेज (स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय) मेरठ के निदेशक रहे डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, देश और विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कैंसर के विशेषज्ञ सर्जन और चिकित्सा शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वह एम्स नई दिल्ली में डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन के विभागाध्यक्ष, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जयपुर में सर्जिकल डिसिप्लिन के निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त डॉ श्रीवास्तव नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च में एथिक कमिटी के चेयरमैन भी रह चुके हैं।

डॉ.अनुराग श्रीवास्तव गोरखनाथ मेडिकल कालेज के नए प्राचार्य

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ

मेडिकल कालेज) के नए प्राचार्य, सुप्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुरिंदर सिंह की उपस्थिति में उन्हें मेडिकल कालेज के प्राचार्य पद के साथ ही चीफ आपरेटिंग आफिसर, प्रोफेसर सर्जरी विभाग एवं अधिष्ठाता चिकित्सा संकाय के पद पर भी कार्यभार ग्रहण कराया गया।

■ शनिवार को कुलपति की मौजूदगी में कार्यभार ग्रहण किया नए प्राचार्य ने

गोरखनाथ मेडिकल कालेज में प्राचार्य पद ग्रहण करने से पूर्व सुभारती इंस्टिट्यूट आफ कैंसर मैनेजमेंट एंड रिसर्च, सुभारती मेडिकल कालेज (स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय) मेरठ के निदेशक रहे डॉ.अनुराग श्रीवास्तव, देश और विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कैंसर के विशेषज्ञ सर्जन और चिकित्सा शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वह एम्स नई दिल्ली में डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन के विभागाध्यक्ष, नेशनल इंस्टिट्यूट अफ मेडिकल साइंसेज जयपुर में सर्जिकल डिसिप्लिन के निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त डॉ. श्रीवास्तव नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च में एथिक कमिटी के चेयरमैन भी रह चुके हैं।

आयुर्वेद कॉलेज में रासेयो के सप्त दिवसीय शिविर का शुभारंभ

गोरखपुर, 1 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के सप्त दिवसीय शिविर का उद्घाटन शनिवार को आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतमने किया। इस अवसर पर डॉ वेदांतम ने कहा कि यह शिविर हमारे छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जहां वे न केवल समाज सेवा के महत्व को समझेंगे, बल्कि अपने व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे। इस शिविर में, हमने आपके लिए ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यानों, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया है। इन गतिविधियों के माध्यम से, आप न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी सशक्त होंगे। शिविर के पहले दिन बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. जयंत नाथ ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा पर व्याख्यान देते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुर्वेद के छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है उन्होंने योग को उपचार के सबसे मूल्यवान और कुशल साधन के रूप में बताया। उन्होंने आगे गतिहीन जीवनशैली की समस्याओं पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे भुजंगासन, उष्ट्रासन और मकरासन जैसे योग से सर्वाइकल समस्याओं जैसी जीवनशैली रोगों को रोका और ठीक किया जा सकता है। स्वागत भाषण और आभार ज्ञापन क्रमशः डॉ साध्वी नन्दन पाण्डेय और डॉ श्रीनाथ ने किया।

Organization of lecture on the possibilities of logistics

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: A special online lecture on the subject of industry requirements and workforce skills was organized in the Faculty of Commerce of Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur. The lecture was addressed by Ravikant Yamarthi, Chief Executive Officer of Logistics Sector Skill Council. Yamarthi told the students that logistics is a field with wide possibilities in the present era and informed them about its many aspects. He explained the importance of BBA in Logistics course and the career prospects in it with examples. On this occasion, Prof. S. Ganeshan, Prof. (Dr.) Gayatri H, Dr. Tarun Sham etc. also participated.

कैंसर सर्जन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के नए प्राचार्य

गोरखपुर, 1 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) के नए प्राचार्य, सुप्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह की उपस्थिति में उन्हें मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य पद के साथ ही चीफ आपरेटिंग आफिसर, प्रोफेसर सर्जरी विभाग एवं अधिष्ठाता चिकित्सा संकाय के पद पर भी कार्यभार ग्रहण कराया गया। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य पद ग्रहण करने से पूर्व सुभारती इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर मैनेजमेंट एंड रिसर्च, सुभारती मेडिकल कॉलेज (स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय) मेरठ के निदेशक रहे डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, देश और विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कैंसर के विशेषज्ञ सर्जन और चिकित्सा शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वह एम्स नई दिल्ली में डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन के विभागाध्यक्ष, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जयपुर में सर्जिकल डिसिप्लिन के निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त डॉ श्रीवास्तव नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च में एथिक कमिटी के चेयरमैन भी रह चुके हैं।

❖ शनिवार को कुलपति की मौजूदगी में कार्यभार ग्रहण किया नए प्राचार्य ने

समाचार दर्पण

उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी : कुलपति

»महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 228 मरीजों का परीक्षण

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूटऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवंनेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा किमोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है।

शिविर में आए मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं और जरूरत के अनुसार चश्मे दिए गए। शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्नीशियन शुभ पाडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टाफ ने कुल 228 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया।

उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी:कुलपति

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 228 मरीजों का परीक्षण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूटऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवंनेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा किमोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है। शिविर में आए मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं और जरूरत के अनुसार चश्मे दिए गए। शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्नीशियन शुभ पांडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टाफ ने कुल 228 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया।

नेत्र जांच शिविर में 228 मरीजों का परीक्षण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई। उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना व बीमारी का समय रहते इलाज करना है।

उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजन किया गया।

शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ वि.वि. के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो.सुरिंदर ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा कि मोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है। मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं व जरूरत के अनुसार चश्मे भी दिए गए। इस दौरान मरीजों को बताया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। साथ ही डॉक्टरों ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में नेत्र टेक्निशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्निशियन शुभ पाडेय, लैब टेक्निशियन एवं संबंधित स्टॉफ ने कुल 228 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर निःशुल्क दवाओं का वितरण किया।

■ महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 228 मरीजों का परीक्षण

उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी : कुलपति

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 228 मरीजों का परीक्षण

गोरखपुर, 2 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूटऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवंनेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा किमोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है। शिविर में आए मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं और जरूरत के अनुसार चश्मे दिए गए। शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्नीशियन शुभ पांडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टाफ ने कुल 228 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया।

उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी: कुलपति

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 228 मरीजों का परीक्षण

कौटिल्य का भारत

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूटऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई।

शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवंनेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा किमोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है। शिविर में आए मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं और जरूरत के अनुसार चश्मे दिए गए। शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्नीशियन शुभ पांडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टाफ ने कुल 228 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया।

नेत्र शिविर में 228 मरीजों का हुआ परीक्षण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की तरफ से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी बीमारी का समय रहते इलाज करना है। संवाद

उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी: कुलपति

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूटऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई।

शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवंनेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा किमोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है। शिविर में आए मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं और जरूरत के अनुसार चश्मे दिए गए। शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्नीशियन शुभ पांडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टाफ ने कुल 228 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया।

उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी : कुलपति

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 228 मरीजों का परीक्षण

संवाददाता

गोरखपुर, 2 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूटऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवंनेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है शिविर में आए मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं और जरूरत के अनुसार चश्मे दिए गए। शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्नीशियन शुभ पांडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टाफ ने कुल 228 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया।

उत्कष्ट चिकित्सकीय सेवा से रोगियों को मिलेगी नई रोशनी – कुलपति

गोरखपुर, 2 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूटऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ

चिकित्सालय में किया गया। शिविर में 228 मरीजों की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवंनेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एपी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि समाज में गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व अत्यधिक है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मोतियाबिंद जैसी गंभीर आंखों की बीमारी का समय रहते इलाज करना है। उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है इस शिविर में आए नेत्र रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवा से नई रोशनी मिलेगी। कुलपति ने कहा किमोतियाबिंद से आंखों की लेंस धुंधली हो जाती है और व्यक्ति की दृष्टि धुंधली या पूरी तरह से खराब हो सकती है। यह बीमारी विशेषकर बुजुर्गों में अधिक देखी जाती है, लेकिन समय पर इलाज से इससे बचा जा सकता है। शिविर में आए मरीजों के नेत्र परीक्षण के बाद मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। अन्य को मुफ्त दवाएं और जरूरत के अनुसार चश्मे दिए गए। शिविर के दौरान, मरीजों को यह समझाया गया कि आंखों की देखभाल में नियमित रूप से जांच कराना और उचित आहार लेना कितना महत्वपूर्ण है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याओं का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन नियमित जांच और इलाज से इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में नेत्र टेक्नीशियन आकांक्षा शुक्ला, ओटी टेक्नीशियन शुभ पाडेय एवं लैब टेक्नीशियन तथा संबंधित स्टाफ ने कुल 228 [illegible] नेत्र परीक्षण कर [illegible] का वितरण [illegible]

समाचार दर्पण

दैनिक जनस्पर्श

एमजीयूजी में होगी विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 प्रतियोगिता

गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर व कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी कर सकेंगे प्रतिभाग

संवाददाता

गोरखपुर, 3 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में ह्यविकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिताह्न का आयोजन 10 मार्च से 17 मार्च के मध्य कराया जाएगा। इस प्रतियोगिता में गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं।यह जानकारी देते हुए एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि ह्यविकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिताह्न में 1 फरवरी 2025 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले से लेकर 25 वर्ष तक आयु के सभी युवा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। सर्वप्रथम इच्छुक युवा को विषय ह्यविकसित भारतह्न पर स्वयं के वक्तव्य का एक मिनट का रिकॉर्ड विडियो बनाकर को मेरा युवा भारत पोर्टल (ट८ई१३ स्रङ्ग१३') पर अपलोड करना होगा। निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा विश्वविद्यालय में जनपद कुशीनगर, महाराजगंज, संकबीर नगर एवं गोरखपुर के प्रत्येक जनपद से 150 युवाओं को मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने के अवसर दिया जाएगा।मंडल स्तरीय प्रतियोगता में विषय ह्यएक राष्ट्र, एक मतदानह्न विषय पर युवाओं को तीनमिनट का वक्तव्य देने का समय दिया जाएगा तथा मंडल स्तर प्रतियोगिता से 10 विजेता प्रतिभागी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं तीन राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट संसद भवन नई दिल्ली में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में ट८ई१३ स्रङ्ग१३' पर पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 9 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए ‘ढ़ं१३ॅ्ंङ्क५.ल्ल पर जाकर देख सकते है।इस प्रतियोगिता के आयोजन कराने का अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

एमजीयूजी में होगी विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 प्रतियोगिता

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' का आयोजन 10 मार्च से 17 मार्च के मध्य कराया जाएगा। इस प्रतियोगिता में गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' में 1 फरवरी 2025 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले से लेकर 25 वर्ष तक आयु के सभी युवा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। सर्वप्रथम इच्छुक युवा को विषय 'विकसित भारत' पर स्वयं के वक्तव्य का एक मिनट का रिकॉर्ड विडियो बनाकर को मेरा युवा भारत पोर्टल पर अपलोड करना होगा। निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा विश्वविद्यालय में जनपद कुशीनगर, महाराजगंज, संकबीर नगर एवं गोरखपुर के प्रत्येक जनपद से 150 युवाओं को मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने के अवसर दिया जाएगा। मंडल स्तरीय प्रतियोगता में विषय 'एक राष्ट्र, एक मतदान' विषय पर युवाओं को तीनमिनट का वक्तव्य देने का समय दिया जाएगा तथा मंडल स्तर प्रतियोगिता से 10 विजेता प्रतिभागी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं तीन राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट संसद भवन नई दिल्ली में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 9 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाकर देख सकते है। इस प्रतियोगिता के आयोजन कराने का अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

एमजीयूजी में होगी विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट प्रतियोगिता

गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर व कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी कर सकेंगे प्रतिभाग

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित होगी यूथ पार्लियामेंट प्रतियोगिता

विश्वास, आदर व गरिमा जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी

■ एनएसएस शिविर के तहत चलाया जागरूकता सर्वे अभियान

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा आदि विषयों पर मानीराम, बालापार और बैजनाथपुर ग्रामों में ग्रामीणों के बीच जागरूकता सर्वे अभियान चलाया गया। साथ ही अतिथि व्याख्यान का क्रम भी जारी रहा। अतिथि व्याख्यान में डॉ. अपर्णा पाठक ने संचार कौशल तथा मानसिक विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मनोविज्ञान आपकी मानसिक स्थिति तथा संचार कौशल के बारे में है। आप अगर किसी की सहायता कर रहे हैं तो आपको भी सकारात्मक याददाश्त आएगी। उन्होंने कहा कि विश्वास, आदर, तथा गरिमा हमारी जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं। शिविर आयोजन में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. चैतन्या, डा. यास्मीन, डा. विनम्र, डा. मिनी, डा. अर्जुन, डा. गोपीकृष्ण, कार्यक्रम अधिकारी डा. वैशाख, डा. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडेय, समीक्षा भारद्वाज और राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एमजीयूजी में होगी विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 प्रतियोगिता

गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर व कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी कर सकेंगे प्रतिभाग

एमजीयूजी में होगी विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 प्रतियोगिता

---

10 से विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसका आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। यह आयोजन 10 मार्च से 17 मार्च के बीच कराया जाएगा। इस प्रतियोगिता में गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के युवा और छात्र शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि प्रतियोगिता में 18 वर्ष से 25 वर्ष तक आयु के सभी युवा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे।

इच्छुक युवा को विकसित भारत विषय पर एक मिनट का रिकॉर्ड वीडियो बनाकर मेरा युवा भारत पोर्टल (MyBharat portal) पर अपलोड करना होगा। निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा।

एमजीयूजी : विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट प्रतियोगिता 10 से

प्रतियोगिता में गोरखपुर समेत चार जिलों के विद्यार्थी करेंगे प्रतिभाग

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में "विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' का आयोजन 10 मार्च से 17 मार्च के मध्य कराया जाएगा। प्रतियोगिता में गोरखपुर के अलावा महराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के युवा व विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं।

एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि इस प्रतियोगिता में एक फरवरी 2025 को 18 से 25 वर्ष तक आयु के सभी युवा प्रतिभाग कर सकेंगे। मंडलस्तरीय प्रतियोगिता में विषय "एक राष्ट्र, एक मतदान" विषय पर युवाओं को तीन मिनट का वक्तव्य देने का समय दिया जाएगा। इसके 10 विजेता प्रतिभागियों को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता एवं तीन राज्यस्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट नई दिल्ली में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा।

एनएसएस शिविर के तहत चलाया जागरूकता सर्वे अभियान'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा आदि विषयो पर मानीराम, बालापार और बैजनाथपुर ग्रामों मे ग्रामीणों के बीच जागरूकता सर्वे अभियान चलाया गया।

साथ ही अतिथि व्याख्यान का क्रम भी जारी रहा। अतिथि व्याख्यान में डॉ. अपर्णा पाठक ने संचार कौशल तथा मानसिक विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मनोविज्ञान आपकी मानसिक स्थिति तथा संचार कौशल के बारे में है स आप अगर किसी की सहायता कर रहे हैं तो आपको भी सकारात्मक याददाश्त आएगी। उन्होंने कहा कि विश्वास, आदर, तथा गरिमा हमारी जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां है जिससे हम अपने जीवन को सरल तथा सुखी बना सकते हैं स शिविर आयोजन में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. चैतन्या, डॉ. यास्मीन, डॉ. विनम्र, डॉ. मिनी, डॉ. अर्जुन, डॉ. गोपीकृष्ण, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडेय, समीक्षा भारद्वाज और राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नशामुक्ति और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन नशामुक्ति और पर्यावरण सुरक्षा आदि विषयों पर मानीराम, बालापार और बैजनाथपुर के ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया।

एनएसएस के विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। इसके अलावा अतिथि व्याख्यान के क्रम में डॉ. अपर्णा पाठक ने संचार कौशल तथा मानसिक विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

शिविर आयोजन में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. चैतन्या, डॉ. यास्मीन, डॉ. विनम्र, डॉ. मिनी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडेय आदि मौजूद रहे। संवाद

समाचार दर्पण

एमजीयूजी में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट प्रतियोगिता 10 से

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर (एमजीयूजी) में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' का आयोजन 10 मार्च से 17 मार्च के मध्य कराया जाएगा। प्रतियोगिता में गोरखपुर,महराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' में 1 फरवरी 2025 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले से लेकर 25 वर्ष तक आयु के सभी युवा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। सर्वप्रथम इच्छुक युवा को विषय 'विकसित भारत' पर स्वयं के वक्तव्य का एक मिनट का रिकॉर्ड विडियो बनाकर मेरा युवा भारत पोर्टल पर अपलोड करना होगा। निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय में जनपद कुशीनगर, महाराजगंज, संतकबीरनगर एवं गोरखपुर के प्रत्येक जनपद से 150 युवाओं को मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने के अवसर दिया जाएगा। मंडल स्तरीय प्रतियोगता में विषय 'एक राष्ट्र, एक मतदान' विषय पर युवाओं को तीन मिनट का वक्तव्य देने का समय दिया जाएगा तथा मंडल स्तर प्रतियोगिता से 10 विजेता प्रतिभागी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं तीन राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट संसद भवन नई दिल्ली में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 9 मार्च निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। इस प्रतियोगिता के आयोजन कराने का अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डा.सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डा.प्रदीप कुमार राव ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

■ गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर व कुशीनगर के विद्यार्थी कर सकेंगे प्रतिभाग

पंजीकरण की अंतिम तिथि 09 मार्च तक

एमजीयूजी में होगा यूथ पार्लियामेंट इवेंट

संवाददाता, गोरखपुर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर। अमृत विचार

अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' का आयोजन 10 मार्च से 17 मार्च के मध्य कराया जाएगा। इस प्रतियोगिता में गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए एमजीयूजी के उप कुलसचिव प्रशासन श्रीकांत ने बताया कि प्रतियोगिता' में 1 फरवरी 2025 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले से लेकर 25 वर्ष तक आयु के सभी युवा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकेंगे। सर्वप्रथम इच्छुक युवा को विषय 'विकसित भारत' पर स्वयं के वक्तव्य का एक मिनट का रिकॉर्ड विडियो बनाकर मेरा युवा भारत पोर्टल पर अपलोड करना होगा। निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा विश्वविद्यालय में जनपद कुशीनगर, महाराजगंज, संकबीर नगर एवं गोरखपुर के प्रत्येक जनपद से 150 युवाओं को मंडल स्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग करने के अवसर दिया जाएगा। मंडल स्तरीय प्रतियोगता में विषय 'एक राष्ट्र, एक मतदान' विषय पर युवाओं को तीनमिनट का वक्तव्य देने का समय दिया जाएगा तथा मंडल स्तर प्रतियोगिता से 10 विजेता प्रतिभागी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं तीन राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट संसद भवन नई दिल्ली में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा। प्रतियोगिता में माइ भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 9 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता के आयोजन कराने का अवसर देने के लिए कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

- 10 से 17 मार्च के बीच होगा प्रतियोगिता का आयोजन
- गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर, कुशीनगर के युवा और छात्र-छात्राएं कर सकेंगे प्रतिभाग

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के शिविर मे मौजूद छात्र-छात्राएं, शिक्षक व कार्यक्रम को संबोधित करतीं डॉ. अपर्णा पाठक। अमृत विचार

विश्वास, आदर और गरिमा से जीवन को बनाया जा सकता है आसान : डॉ. अपर्णा

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा आदि विषयों पर मानीराम, बालापार और बैजनाथपुर ग्रामों में ग्रामीणों के बीच जागरूकता सर्वे अभियान चलाया गया। साथ ही अतिथि व्याख्यान का क्रम भी जारी रहा। अतिथि व्याख्यान में डॉ. अपर्णा पाठक ने संचार कौशल तथा मानसिक विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मनोविज्ञान आपकी मानसिक स्थिति तथा संचार कौशल के बारे में है। आप अगर किसी की सहायता कर रहे हैं तो आपको भी सकारात्मक यादाश्त आएगी। उन्होंने कहा कि विश्वास, आदर, तथा गरिमा हमारी जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं, जिससे हम अपने जीवन को सरल तथा सुखी बना सकते है। शिविर आयोजन में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. चैतन्या, डॉ. यास्मीन, डॉ. विनम्र, डॉ. मिनी, डॉ. अर्जुन, डॉ. गोपीकृष्ण, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडेय, समीक्षा भारद्वाज और राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एनएसएस शिविर के तहत चलाया जागरूकता सर्वे अभियान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 3 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा आदि विषयों पर मानीराम, बालापार और बैजनाथपुर ग्रामों में ग्रामीणों के बीच जागरूकता सर्वे अभियान चलाया गया। साथ ही अतिथि व्याख्यान का क्रम भी जारी रहा। अतिथि व्याख्यान में डॉ. अपर्णा पाठक ने संचार कौशल तथा मानसिक विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मनोविज्ञान आपकी मानसिक स्थिति तथा संचार कौशल के बारे में है। आप अगर किसी की सहायता कर रहे हैं तो आपको भी सकारात्मक यादाश्त आएगी। उन्होंने कहा कि विश्वास, आदर, तथा गरिमा हमारी जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां है जिससे हम अपने जीवन को सरल तथा सुखी बना सकते हैं। शिविर आयोजन में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. चैतन्या, डॉ. यास्मीन, डॉ. विनम्र, डॉ. मिनी, डॉ. अर्जुन, डॉ. गोपीकृष्ण, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडेय, समीक्षा भारद्वाज और राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के शिविर मे मौजूद छात्र-छात्राएं, शिक्षक व कार्यक्रम को संबोधित करतीं डॉ. अपर्णा पाठक। अमृत विचार

विश्वास, आदर और गरिमा से जीवन को बनाया जा सकता है आसान : डॉ. अपर्णा

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा आदि विषयों पर मानीराम, बालापार और बैजनाथपुर ग्रामों में ग्रामीणों के बीच जागरूकता सर्वे अभियान चलाया गया। साथ ही अतिथि व्याख्यान का क्रम भी जारी रहा। अतिथि व्याख्यान में डॉ. अपर्णा पाठक ने संचार कौशल तथा मानसिक विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मनोविज्ञान आपकी मानसिक स्थिति तथा संचार कौशल के बारे में है। आप अगर किसी की सहायता कर रहे हैं तो आपको भी सकारात्मक यादाश्त आएगी। उन्होंने कहा कि विश्वास, आदर, तथा गरिमा हमारी जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं, जिससे हम अपने जीवन को सरल तथा सुखी बना सकते है। शिविर आयोजन में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. चैतन्या, डॉ. यास्मीन, डॉ. विनम्र, डॉ. मिनी, डॉ. अर्जुन, डॉ. गोपीकृष्ण, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख, डॉ. श्रीनाथ एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडेय, समीक्षा भारद्वाज और राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, भारद्वाज और आत्रेय इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नशामुक्ति और पर्यावरण सुरक्षा की दी जानकारी

गोरखपुरः महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन नशामुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा आदि विषयों पर जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों ने मानीराम, बालापार और वैजनाथपुर गांवों में ग्रामीणों के बीच जागरूकता सर्वे अभियान चलाया। अतिथि व्याख्यान में डा. अपर्णा पाठक ने संचार कौशल तथा मानसिक विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी। कहा कि विश्वास, आदर तथा गरिमा हमारे जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं। इससे हम अपने जीवन को सरल तथा सुखी बन सकते हैं। शिविर आयोजन में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम, डा. चैतन्या, डा. यास्मीन, डा. विनम्र, कार्यक्रम अधिकारी डा. वैशाख, आचार्य साध्वी नंदन पांडेय, समीक्षा भारद्वाज उपस्थित रहीं।

एमजीयूजी में होगी विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2025 प्रतियोगिता

गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर व कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी कर सकेंगे प्रतिभाग

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 3 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता' का आयोजन 10 मार्च से 17 मार्च के मध्य कराया जायेगा। इस प्रतियोगिता में गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर और कुशीनगर के युवा और विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते है। यह जानकारी देते हुए एमजीयूजी के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 प्रतियोगिता में 1 फरवरी 2025 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले से लेकर 25 वर्ष तक आयु के सभी युवा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। सर्वप्रथम इच्छुक युवा को विषय 'विकसित भारत' पर स्वयं के वक्तव्य का एक मिनट का रिकॉर्ड विडियो बनाकर को मेरा युवा भारत पोर्टल (MyBharat portal) पर अपलोड करना होगा। निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से मंडल स्तरीय प्रतियोगता मे प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा विश्वविद्यालय मे जनपद कुशीनगर, महाराजगंज, संतकबीर नगर एव गोरखपुर के प्रत्येक जनपद से 150 युवाओं को मंडल स्तरीय प्रतियोगता मे प्रतिभाग करने के अवसर दिया जायेगा। मंडल स्तरीय प्रतियोगता मे विषय एक राष्ट्र, एक मतदान विषय पर युवाओं को तीनमिनट का वक्तव्य देने का समय दिया जाएगा तथा मंडल स्तर प्रतियोगिता से 10 विजेता प्रतिभागी को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एव तीन राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट संसद भवन नई दिल्ली में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जायेगा। इस प्रतियोगिता में MyBharat portal पर पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 9 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए mybharat.gov.in पर जाकर देख सकते है। इस प्रतियोगिता के आयोजन कराने का अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

समाचार दर्पण

मुंबई -शनिवार, 08 मार्च, 2025

देश/विदेश

व्याधिक्षमत्व बढ़ाकर संक्रामक रोगों से बचाव करें - डॉ जी एस तोमर

व्याधिक्षमत्व बढ़ाकर संक्रामक रोगों से बचाव करें- डॉ० जी एस तोमर

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान में सप्त दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो० डॉ० जी एस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व का प्राचीनतम चिकित्सा विज्ञान है। हजारों वर्ष पहले हमारे युगदृष्टा महर्षियों ने अपने दिव्य ज्ञान से मानव जीवन का सम्पूर्णता में आख्यान किया है। महर्षि सुश्रुत ने अपनी संहिता में संक्रामक रोगों का उल्लेख करते हुए इसके फैलने के माध्यमों का जो वर्णन किया है। वह आज भी सम्पूर्णता का द्योतक है। उनका मानना था कि कोई भी संक्रामक रोग मात्र किसी वैकारिक जीवाणु या विषाणु के शरीर में प्रवेश मात्र से संभव नहीं है। जब तक कि उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी नहीं आती। अत: आयुर्वेद पाश्चात्य विधा की तरह एंटीबायोटिक औषधियों के स्थान पर व्याधिक्षमत्व (इम्युनिटी) बढ़ाने वाली बनौषधियों का प्रयोग करने पर बल देता है। इससे न केवल संक्रामक अपितु जीवनशैली जन्य रोगों को भी रोका जा सकता है। आयुर्वेद में आहार, निद्रा एवं ब्रह्मचर्य जीवन के तीन उपस्तम्भ बताए गए हैं। आहार के सम्बन्ध में चरक के आठ एवं सुश्रुत के बारह नियमों के पालन से हम चिरकाल तक निरोगी रह सकते हैं। क्या, कितना, कब और कहाँ खाना चाहिए इसका समुचित जवाब हमारे महर्षियों ने उक्त सिद्धान्तों द्वारा स्पष्ट किया है। डॉ० तोमर ने जन आरोग्य के लिए आयुर्वेद के व्यावहारिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए छात्र छात्राओं का आह्वान किया कि वह हमारी पारंपरिक धरोहर में छिपे हुए इन अमूल्य रत्नों के प्रकाश से पीड़ित मानवता की सेवा में हाथ बँटाएँ। महाकुंभ के भव्य आयोजन में प्रयुक्त व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम ने स्मृति चिह्न देकर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं के साथ-साथ डॉ० विनम्र शर्मा, डॉ मिनी केवी एवं एन एस एस कोर्डीनेटर डॉ० श्रीनाथ भी उपस्थित रहे। व्याख्यान के बाद डॉ तोमर ने संस्थान के चिकित्सालय के विशेष ओपीडी में शताधिक रोगियों को चिकित्सा परामर्श प्रदान किया।

व्याधिक्षमत्व बढ़ाकर संक्रामक रोगों से बचाव करें :डॉ जी एस तोमर

संवाददाता

आयुर्वेद विश्व का प्राचीनतम चिकित्सा विज्ञान

संवाददाता, गोरखपुर

जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

PRAYAGRAJ SATURDAY, 08

Protect yourself from infectious diseases by increasing immunity : Dr. GS Tomar

JUSTICE EXPRESS

Gorakhpur: Addressing the students as the chief guest in the seven-day National Service Scheme camp at Guru Gorakshanath Institute of Medical Sciences under Mahayogi Gorakhnath University, the founder president of Vishwa Ayurveda Mission, Prof. (Dr.) GS Tomar said that Ayurveda is the oldest medical science in the world. Thousands of years ago, our visionary sages have described human life in its entirety with their divine knowledge. Maharishi Sushruta has mentioned infectious diseases in his treatise and described the means of its spread. It is indicative of completeness even today. He believed that no infectious disease is possible merely by the entry of a communicable bacteria or virus into the body. Unless its immunity power decreases. Therefore, Ayurveda emphasizes on using herbal medicines that increase immunity instead of antibiotics like the western system. This can prevent not only infectious but also lifestyle diseases. Ayurveda describes diet, sleep and celibacy as the three pillars of life. We can remain healthy for a long time by following the eight rules of Charak and the twelve rules of Sushruta regarding diet. Our great sages have clarified the proper answer to what, how much, when and where to eat through the above principles. Throwing light on the practical aspect of Ayurveda for public health, Dr. Tomar called upon the students to help the suffering humanity with the light of these invaluable gems hidden in our traditional heritage. Praising the arrangements used in the grand event of Maha Kumbh, he praised the popular and successful Chief Minister of Uttar Pradesh, Honorable Yogi Adityanath ji. On this occasion, the Principal of the college Dr. Giridhar Vedantam honoured him by giving him a memento. Along with the students, Dr. Vinamra Sharma, Dr. Mini KV and NSS Coordinator Dr Srinath were also present in the programme. After the lecture, Dr. Tomar provided medical advice to more than a hundred patients in the special OPD of the institute's hospital.

व्याधिक्षमत्व बढ़ाकर संक्रामक रोगों से बचाव करें : डॉ जी एस तोमर

व्याख्यान | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान में एनएसएस शिविर में बोले प्रो. जीएस तोमर

रोग प्रतिरोध क्षमता बढ़ा संक्रामक रोगों से करें बचाव

विश्वविद्यालय में आयोजन के दौरान अतिथियों को सम्मानित किया गया।

एम्स में हो रही रीढ़ के हड्डी की सफल सर्जरी

व्याधिक्षमत्व बढ़ाकर संक्रामक रोगों से बचाव करें : डॉ जी एस तोमर

समाचार दर्पण

महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पोस्टर प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

पोस्टर के माध्यम से बताई समाज में महिला की भूमिका

गोरखपुर, अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एमजीयूजी के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एएनएम द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्रा अन्नम खातून ने पोस्टर के मध्यम से महिलाओं के अधिकार, समाज में उनकी समान भूमिका और नारी सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए ही नहीं है बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि समाज में महिलाओं का स्थान और अधिकार कितने महत्वपूर्ण है। महिलाएं समाज की नींव होती है। चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, विज्ञान हो, राजनीति हो या खेल, महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुकी है। इतिहास में कई ऐसी महिलाएं उदाहरण हैं जिन्होंने नारी शक्ति का अहसास दिलाया और एक नई शुरुआत की। रानी लक्ष्मीबाई, मदर टेरेसा, सरोजिनी नायडू, कल्पना चावला और कई अन्य महान महिलाओं ने हमें सिखाया कि संकल्प महत्वपूर्ण है और कोई भी मुश्किल हमें रोक नहीं सकती है। अत: हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

रासेयो स्वयंसेवकों ने गांव में चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की शिवाजी इकाई के स्वयंसेवकों ने सप्तदिवसीय विशेष शिविर के दौरान ग्राम सोनबरसा के ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, साइबर सुरक्षा और शिक्षा के अधिकार पर जागरूकता अभियान चलाया। शिविर के बौद्धिक सत्र में महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव ने जीवन में अनुशासन, स्वास्थ्य और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वयंसेवकों के सवालों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। आभार ज्ञापन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने किया।

महिला दिवस पर एमजीयूजी के नर्सिंग संकाय में विशेष कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ए.एन.एम. द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्रा अन्नम खातून ने पोस्टर के मध्यम से महिलाओं के अधिकार, समाज में उनकी समान भूमिका और नारी सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवसकेवल महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए ही नहीं है बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि समाज में महिलाओं का स्थान और अधिकार कितने महत्वपूर्ण हैं। महिलाएं समाज की नींव होती हैं। चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, विज्ञान हो, राजनीति हो या खेल, महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुकी हैं। इतिहास में कई ऐसी महिलाएं उदाहरण हैं जिन्होंने नारी शक्ति का अहसास दिलाया और एक नई शुरुआत की। रानी लक्ष्मीबाई, मदर टेरेसा, सरोजिनी नायडू, कल्पना चावला और कई अन्य महान महिलाओं ने हमें सिखाया कि संकल्प महत्वपूर्ण है और कोई भी मुश्किल हमें रोक नहीं सकती है। अत: हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

रासेयो का उद्देश्य सामाजिक जागरूकता : डॉ. पटनी

» महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो के विशेष शिविर का शुभारंभ

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की गार्गी, माता अनुसुइया एवं मैत्रेयी इकाई द्वारा सप्तदिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक, महायोगी गोरखनाथ हॉस्पिटल डॉ. राजीव कुमार पटनी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे शामिल हुए।

डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने स्वयंसेवकों को शिविर के महत्त्व के बारे में अवगत कराते हुए शिक्षा और स्वयंसेवक का एक समन्वित परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार से स्वयंसेवक शिक्षा ग्रहण करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव पटनी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों उद्देश्य ही सामाजिक जागरूकता पैदा करना होता है। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को कहा थीम पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की। उन्होंने स्वयंसेवकों को इस आयोजन को भव्यता से करने के लिए बधाई भी दी। उदघाटन समारोह तीनों इकाई की कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी, सुमन यादव एवं गरिमा पांडेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो के विशेष शिविर का शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की गार्गी,

माता अनुसुइया एवं मैत्रेयी इकाई द्वारा सप्तदिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। शिविर की शुरूआत प्रातः नौ बजे से स्वयंसेवकों ने अपने रहने की व्यवस्था के लिए हॉस्टल में तैयारी के साथ उद्घाटन समारोह के लिए मंच को तैयार किया। शिविर का औपचारिक उद्घाटन अपराह्न दो बजे से द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक, महायोगी गोरखनाथ हॉस्पिटल डॉ. राजीव कुमार पटनी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे शामिल हुए। दीप प्रज्वलन के पश्चात सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति स्वयंसेविका के द्वारा प्रस्तुत की गयी। डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने स्वयंसेवकों को शिविर के महत्व के बारे में अवगत कराते हुए शिक्षा और स्वयंसेवक का एक समन्वित परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार से स्वयंसेवक शिक्षा ग्रहण करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव पटनी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों को अलग-अलग थीम पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की। उन्होंने स्वयंसेवकों को इस आयोजन को भव्यता से करने के लिए बधाई भी दी। उदघाटन समारोह तीनों इकाई की कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी, सुमन यादव एवं गरिमा पांडेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो के विशेष शिविर का शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की गार्गी, माता अनुसुइया एवं मैत्रेयी इकाई द्वारा सप्तदिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। शिविर की शुरूआत प्रातः नौ बजे से स्वयंसेवकों ने अपने रहने की व्यवस्था के लिए हॉस्टल में तैयारी के साथ उद्घाटन समारोह के लिए मंच को तैयार किया। शिविर का औपचारिक उद्घाटन अपराह्न दो बजे से द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक, महायोगी गोरखनाथ हॉस्पिटल डॉ. राजीव कुमार पटनी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे शामिल हुए। दीप प्रज्वलन के पश्चात सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति स्वयंसेविका के द्वारा प्रस्तुत की गयी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने स्वयंसेवकों को शिविर के महत्व के बारे में अवगत कराते हुए शिक्षा और स्वयंसेवक का एक समन्वित परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार से स्वयंसेवक शिक्षा ग्रहण करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव पटनी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों को अलग-अलग थीम पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की। उन्होंने स्वयंसेवकों को इस आयोजन को भव्यता से करने के लिए बधाई भी दी। उदघाटन समारोह तीनों इकाई की कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी, सुमन यादव एवं गरिमा पांडेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

'महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो के विशेष शिविर का शुभारंभ'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की गार्गी, माता अनुसुइया एवं मैत्रेयी इकाई द्वारा सप्तदिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ।

शिविर की शुरुआत प्रात: नौ बजे से स्वयंसेवकों ने अपने रहने की व्यवस्था के लिए हॉस्टल में तैयारी के साथ उदघाटन समारोह के लिए मंच को तैयार किया। शिविर का औपचारिक उदघाटन अपराह्न दो बजे से द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक, महायोगी गोरखनाथ हॉस्पिटल डॉ. राजीव कुमार पटनी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे शामिल हुए। दीप प्रज्वलन के पश्चात सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति स्वयंसेविका के द्वारा प्रस्तुत की गयी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने स्वयंसेवकों को शिविर के महत्व के बारे में अवगत कराते हुए शिक्षा और स्वयंसेवक का एक समन्वित परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार से स्वयंसेवक शिक्षा ग्रहण करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव पटनी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों को अलग-अलग थीम पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की। उन्होंने स्वयंसेवकों को इस आयोजन को भव्यता से करने के लिए बधाई भी दी। उदघाटन समारोह तीनों इकाई की कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी, सुमन यादव एवं गरिमा पांडेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो के विशेष शिविर का शुभारंभ

गोरखपुर, १७ मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की गार्गी, माता अनुसुइया एवं मैत्रेयी इकाई द्वारा सप्तदिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। शिविर की शुरुआत प्रात: नौ बजे से स्वयंसेवकों ने अपने रहने की व्यवस्था के लिए हॉस्टल में तैयारी के साथ उद्घाटन समारोह के लिए मंच को तैयार किया। शिविर का औपचारिक उद्घाटन अपराह्न दो बजे से द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक, महायोगी गोरखनाथ हॉस्पिटल डॉ. राजीव कुमार पटनी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे शामिल हुए। दीप प्रज्वलन के पश्चात सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति स्वयंसेविका के द्वारा प्रस्तुत की गयीडॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने स्वयंसेवकों को शिविर के महत्व के बारे में अवगत कराते हुए शिक्षा और स्वयंसेवक का एक समन्वित परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार से स्वयंसेवक शिक्षा ग्रहण करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव पटनी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों को अलग-अलग थीम पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की। उन्होंने स्वयंसेवकों को इस आयोजन को भव्यता से करने के लिए बधाई भी दी। उदघाटन समारोह तीनों इकाई की कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी, सुमन यादव एवं गरिमा पांडेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

रासेयो स्वयंसेवकों ने गांव में चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की शिवाजी इकाई के स्वयंसेवकों ने सप्तदिवसीय विशेष शिविर के दौरान ग्राम सोनबरसा के ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, साइबर सुरक्षा और शिक्षा के अधिकार पर जागरूकता अभियान चलाया। शिविर के बौद्धिक सत्र में महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव ने जीवन में अनुशासन, स्वास्थ्य और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने स्वयंसेवकों के सवालों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। आभार ज्ञापन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने किया।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 30 से

प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने पर होगी चर्चा

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि होंगे आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 19 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 01 अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. (डॉ.) बलराम भार्गव होंगे। यह जानकारी एमजीयूजी में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पदमश्री डॉ. भार्गव ने कोविड-19 महामारी से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई और वैक्सीन के विकास-अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। विषय

प्रो० बलराम भार्गव

विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से संगोष्ठी के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन होगा। प्रो सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने का प्रयास किया जायेगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए देश के कई राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 30 से'

- 'प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने पर होगी चर्चा'
- उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि होंगे आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषयक संगोष्ठी में उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पदमश्री प्रो. (डॉ.) बलराम भार्गव होंगे। यह जानकारी एमजीयूजी में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पदमश्री डॉ. भार्गव ने कोविड–19 महामारी से निपटने मेंअग्रणी भूमिका निभाई और वैक्सीन के विकास–अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करने मेंउल्लेखनीय योगदान दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से संगोष्ठी के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन होगा। प्रो सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए देश के कई राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे है।

संगोष्ठी में आयुर्वेद के सिद्धांतों को बहुपयोगी बनाने पर होगी चर्चा

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी 30 से
- आइसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में 30 मार्च से एक अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे। आयोजन में सोसाइटी फार बायोटेक्नोलाजिस्ट इंडिया का सहयोग है।

संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रो.भार्गव ने कोविड-19 महामारी से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई और वैक्सीन के विकास-अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुपयोगी बनाने का प्रयास किया जाएगा। संगोष्ठी में देश के कई राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी से भी विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे। - विज्ञप्ति

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 30 से

गोरखपुर, 19 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. (डॉ.) बलराम भार्गव होंगे। यह जानकारी एमजीयूजी में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पदमश्री डॉ. भार्गव ने कोविड-19 महामारी से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई और वैक्सीन के विकास-अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से संगोष्ठी के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन होगा। प्रो सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी से प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ अनुपमा ओझा ने बताया।

❖ प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने पर होगी चर्चा ❖ उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि होंगे आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव

आयुर्वेद के सिद्धांतों में जैव प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर होगा मंथन

गोरखपुर। प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में तीन दिन तक विशेषज्ञ मंथन करेंगे। विश्वविद्यालय में संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग विषय पर आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. (डॉ.) बलराम भार्गव होंगे। यह जानकारी एमजीयूजी में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। बताया कि पदमश्री डॉ. भार्गव ने कोविड-19 महामारी से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई।

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 30 से

प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने पर होगी चर्चा उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि होंगे आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री बलराम भार्गव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. (डॉ.) बलराम भार्गव होंगे। यह जानकारी एमजीयूजी में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पदमश्री डॉ. भार्गव ने कोविड-19 महामारी से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई और वैक्सीन के विकास-अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से संगोष्ठी के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन होगा। प्रो सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए देश के कई राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 30 से

»उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि होंगे आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। ह्यआयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगह्न विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. (डॉ.) बलराम भार्गव होंगे।

यह जानकारी एमजीयूजी में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पदमश्री डॉ. भार्गव ने कोविड–19 महामारी से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई और वैक्सीन के विकास–अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में उनकी उपस्थिति से संगोष्ठी के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन होगा। प्रो सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में बहुउपयोगी बनाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए देश के कई राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारियां तेज

»30 मार्च से 1 अप्रैल तक प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी से जोड़ने पर होगी चर्चा

स्वतंत्र चेतना,गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। ह्यआयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगह्न विषयक संगोष्ठी की तैयारियां तेज हो गई है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि का नाम तय करने के बाद अब समारोप सत्र के मुख्य अतिथि की भी सहमति मिल गई है। समारोप के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी होंगे। यह जानकारी एमजीयूजी में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि डॉ. अजीत कुमार शासनी ने एनबीआरआई में शामिल होने से पहले आईसीएआर-राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक और सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पादप संस्थान, लखनऊ के जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग के मुख्य वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया है। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 210 शोध आलेख प्राप्त हहुए हैं जिन्हें शोध प्रकाशन समिति अन्वेषकीय वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध आलेखों का गहनता से अध्ययन कर शोध ग्रन्थ का स्वरूप दे रही है। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए देश के कई राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारियां तेज

भास्कर ब्यूरो

- एनबीआरआई के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी होंगे समारोप सत्र के मुख्य अतिथि
- 30 मार्च से 1 अप्रैल तक प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी से जोड़ने पर होगी चर्चा

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषयक संगोष्ठी की तैयारियां तेज हो गई है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि का नाम तय करने के बाद अब समारोप सत्र के मुख्य अतिथि की भी सहमति मिल गई है। समारोप के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी होंगे।

यह जानकारी एमजीयूजी मे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि डॉ. अजीत कुमार शासनी ने एनबीआरआई में शामिल होने से पहले आईसीएआर-राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक और सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पादप संस्थान, लखनऊ के जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग के मुख्य वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया है। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 210 शोध आलेख प्राप्त हहुए हैं जिन्हें शोध प्रकाशन समिति अन्वेषकीय वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध आलेखों का गहनता से अध्ययन कर शोध ग्रन्थ का स्वरूप दे रही है। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए देश के कई राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

युवा शक्ति देश को विकसित बनाने में सक्षम : महेन्द्रपाल

»एमजीयूजी में हुआ ह्यविकसित भारत युवा संसद 2025 का आयोजन

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में ह्यविकसित भारत युवा संसद 2025 का आयोजन किया गया। दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पिपराइच के विधायक महेन्द्रपाल सिंह ने कहा कि भारत को विकसित करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी युवा शक्ति इतनी ऊर्जावान है कि वह देश को विकसित देशों की कतार में पहले स्थान पर लाने में सक्षम है। जरूरत सिर्फ इस बात की है कि उन्हें राष्ट्र हित में उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो। यह बेहद सुखद है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को अनेकानेक योजनाओं से सतत प्रेरित और प्रोत्साहित कर रहे हैं।

विधायक श्री सिंह ने कहा कि यह युवा संसद इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसमे प्रतिभागी युवा अपनी बात रखेगा और इसके जरिये विकसित राष्ट्र के निर्माण में उसकी भूमिका बढ़ेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और देश को विकसित बनाने में युवाओं को अपना योगदान सुनिश्चित करना होगा। कुलपति ने एक राष्ट्र-एक चुनाव पर चर्चा करते हुए कहा कि आज के समय देश में चुनावों का दौर निरंतर बना ही रहता है।

केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों के चुनावों के बीच अंतर इतना कम होता है कि पूरी प्रक्रिया देश को आर्थिक रूप से खर्चों में वृद्धि, प्रशासनिक बोझ और समय की बर्बादी का सामना करना पड़ता है। यदि एक राष्ट्र-एक चुनाव की अवधारणा को अपनाया जाए तो धन और समय की बचत कर देश को विकासशील से विकसित बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि युवा चाह ले तो देश को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

युवा शक्ति देश को विकसित बनाने में सक्षम : महेन्द्रपाल सिंह

- 'एमजीयूजी में हुआ 'विकसित भारत युवा संसद 2025' का आयोजन'
- 'एक राष्ट्र–एक चुनाव प्रणाली से होगी समय व धन की बचत : कुलपति'

युवा शक्ति देश को विकसित बनाने में सक्षम- महेन्द्रपाल सिंह

एमजीयूजी में हुआ 'विकसित भारत युवा संसद 2025' का आयोजन, एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रणाली से होगी समय व धन की बचत - कुलपति

एमजीयूजी में गर्भाशय के ग्रीवा कैंसर पर व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत ह्यगर्भाशय का ग्रीवा कैंसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बिड़ला प्रजनन क्षमता एवं आईवीएफ की बांझपन रोग विशेषज्ञ डॉ.आकृति ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओं में पाया जाने वाला एक गंभीर लेकिन रोके जाने योग्य कैंसर है। यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होता है। भारत में यह दूसरा सबसे आम स्त्री रोग संबंधी कैंसर है, जिससे हर साल हजारों महिलाओं की मृत्यु होती है। इसके प्रमुख कारणों में एचपीवी संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र और कुपोषण शामिल हैं उन्होंने बताया कि इसके प्रारंभिक लक्षणों में अनियमित योनि रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त स्राव और श्रोणि मे दर्द शामिल है। पैप स्मीयर टेस्ट और एच.पी.वी. डी.एन.ए. टेस्ट से इसका प्रारंभिक निदान संभव है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण उपचार जैसे सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी आदि शामिल हैं। इसके रोकथाम के लिए एच.पी.वी. टीकाकरण, सुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान से बचाव और नियमित स्क्रीनिंग आवश्यक है। सही और समय पर स्क्रीनिंग से इस घातक बीमारी को रोका जा सकता है और जीवन बचाया जा सकता है।

एमजीयूजी में गर्भाशय के ग्रीवा कैंसर पर व्याख्यान का किया गया आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 26 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भाशय का ग्रीवा कैंसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बिड़ला प्रजनन क्षमता एवं आईवीएफ, गोरखपुर की बांझपन रोग विशेषज्ञ डॉ० आकृति ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओं में पाया जाने वाला एक गंभीर लेकिन रोके जाने योग्य कैंसर है। यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होता है। भारत में यह दूसरा सबसे आम स्त्री रोग संबंधी कैंसर है, जिससे हर साल हजारों महिलाओं की मृत्यु होती है। इसके प्रमुख कारणों में एचपीवी संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र और कुपोषण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके प्रारंभिक लक्षणों मे अनियमित योनि रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त स्राव और श्रोणि में दर्द शामिल है। पैप स्मीयर टेस्ट और एच.पी.वी. डी.एन.ए. टेस्ट से इसका प्रारंभिक निदान संभव है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण उपचार जैसे सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी आदि शामिल हैं। इसके रोकथाम के लिए एच.पी.वी. टीकाकरण, सुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान से बचाव और नियमित स्क्रीनिंग आवश्यक है। सही और समय पर स्क्रीनिंग से इस घातक बीमारी को रोका जा सकता है और जीवन बचाया जा सकता है। नर्सिंग कॉलेज की प्रमुख डॉ. डीएस अजीथा ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अभिषेक सिंह, सुजाता, आकाश त्रिपाठी, बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राएं उपस्थित रहीं।

एमजीयूजी में गर्भाशय के ग्रीवा कैंसर पर व्याख्यान का आयोजन

संवाददाता
गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग मे स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत 'गर्भाशय का ग्रीवा कैंसररु विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बिड़ला प्रजनन क्षमता एवं आईवीएफ, गोरखपुर की बांझपन रोग विशेषज्ञ डॉ.आकृति ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओं में पाया जाने वाला एक गंभीर लेकिन रोके जाने योग्य कैंसर है। यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होता है। भारत में यह दूसरा सबसे आम स्त्री रोग संबंधी कैंसर है, जिससे हर साल हजारों महिलाओं की मृत्यु होती है। इसके प्रमुख कारणों में एचपीवी संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र और कुपोषण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके प्रारंभिक लक्षणों में अनियमित योनि रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त स्राव और श्रोणि मे दर्द शामिल हैं। पैप स्मीयर टेस्ट और एच.पी.वी. डी.एन.ए. टेस्ट से इसका प्रारंभिक निदान संभव है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण उपचार जैसे सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी आदि शामिल हैं। इसके रोकथाम के लिए एच.पी.वी. टीकाकरण, सुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान से बचाव और नियमित स्क्रीनिंग आवश्यक है। सही और समय पर स्क्रीनिंग से इस घातक बीमारी को रोका जा सकता है और जीवन बचाया जा सकता है। नर्सिंग कॉलेज की प्रमुख डॉ. डीएस अजीथा ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अभिषेक सिंह, सुजाता, आकाश त्रिपाठी, बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राए उपस्थित रहीं।

समाचार दर्पण

युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने में स्टार्टअप इंडिया की पहल महत्वपूर्ण : प्रो. दिव्या रानी

एमजीयूजी में रासेयो की तीन इकाइयों के शिविर का पांचवां दिन

संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए स्टार्टअप इंडिया एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इस पहल से नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। प्रो. दिव्या रानी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन के बौद्धिक सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि कैसे स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत मिलने वाले समर्थन और संसाधन, उद्यमियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। नवाचार और डिजिटल क्रांति के इस दौर में स्टार्टअप इंडिया, युवा शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पैरामेडिकल विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित श्रीवास्तव ने व्यक्तित्व विकास के विविध आयामों से स्वयंसेवकों को परिचित कराया। आभार ज्ञापन करते हुए रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि आज का व्याख्यान स्वयंसेवकों को सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना के महत्व को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, जयशंकर पाण्डेय, रवि यादव सहित सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने में स्टार्टअप इंडिया की पहल महत्वपूर्णः प्रो. दिव्या

कौटिल्य का भारत

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए स्टार्टअप इंडिया एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इस पहल से नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

प्रो. दिव्या रानी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन के बौद्धिक सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि कैसे स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत मिलने वाले समर्थन और संसाधन, उद्यमियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। नवाचार और डिजिटल क्रांति के इस दौर में स्टार्टअप इंडिया, युवा शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पैरामेडिकल विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित श्रीवास्तव ने व्यक्तित्व विकास के विविध आयामों से स्वयंसेवकों को परिचित कराया। आभार ज्ञापन करते हुए रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि आज का व्याख्यान स्वयंसेवकों को सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना के महत्व को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, जयशंकर पाण्डेय, रवि यादव सहित सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने की पहल अहम

- डीडीयू में आयोजित एनएसएस शिविर का पांचवां दिन
- युवाओं को स्वावलंबी बनाने को स्टार्टअप इंडिया की पहल

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। डीडीयू के गृह विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए स्टार्टअप इंडिया एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इस पहल से नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

प्रो. दिव्या रानी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन के बौद्धिक सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। बताया कि कैसे स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत मिलने वाले समर्थन और संसाधन, उद्यमियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित करते हैं। कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

अध्यक्षता करते हुए पैरामेडिकल विभाग के अध्यक्ष डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने व्यक्तित्व विकास के विविध आयामों से स्वयंसेवकों को परिचित कराया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे ने किया। इस मौके पर डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, जयशंकर पाण्डेय, रवि यादव आदि मौजूद रहे।

'युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने में स्टार्टअप इंडिया की पहल महत्वपूर्णः प्रो. दिव्या रानी'

'एमजीयूजी में रासेयो की तीन इकाइयों के शिविर का पांचवां दिन'

संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए स्टार्टअप इडिया एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इस पहल से नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। प्रो. दिव्या रानी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन के बौद्धिक सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि कैसे स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत मिलने वाले समर्थन और संसाधन, उद्यमियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

नवाचार और डिजिटल क्रांति के इस दौर में स्टार्टअप इंडिया, युवा शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पैरामेडिकल विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित श्रीवास्तव ने व्यक्तित्व विकास के विविध आयामों से स्वयंसेवकों को परिचित कराया। आभार ज्ञापन करते हुए रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि आज का व्याख्यान स्वयंसेवकों को सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना के महत्व को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, जयशंकर पाण्डेय, रवि यादव सहित सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

समय पर स्क्रीनिंग से घातक बीमारी की रोकथाम संभव

- एमजीयूजी में गर्भाशय के ग्रीवा कैंसर पर व्याख्यान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत 'गर्भाशय का ग्रीवा कैंसर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बिड़ला प्रजनन क्षमता एवं आईवीएफ, गोरखपुर की बांझपन रोग विशेषज्ञ डा.आकृति ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओं में पाया जाने वाला एक गंभीर लेकिन रोके जाने योग्य कैंसर है। यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होता है। भारत में यह दूसरा सबसे आम स्त्री रोग संबंधी कैंसर है, जिससे हर साल हजारों महिलाओं की मृत्यु होती है। इसके प्रमुख कारणों में एचपीवी संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र और कुपोषण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके प्रारंभिक लक्षणों में अनियमित योनि रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त स्राव और श्रोणि में दर्द शामिल हैं। पैप स्मीयर टेस्ट और एच.पी.वी. डी.एन.ए. टेस्ट से इसका प्रारंभिक निदान संभव है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण उपचार जैसे सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी आदि शामिल हैं। इसके रोकथाम के लिए एचपीवी टीकाकरण, सुरक्षित यौन संबंध, धूम्रपान से बचाव और नियमित स्क्रीनिंग आवश्यक है। सही और समय पर स्क्रीनिंग से इस घातक बीमारी को रोका जा सकता है और जीवन बचाया जा सकता है। नर्सिंग कालेज की प्रमुख डा. डीएस अजीथा ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अभिषेक सिंह, सुजाता, आकाश त्रिपाठी, बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राएं उपस्थित रहीं।

युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने में स्टार्टअप इंडिया की पहल महत्वपूर्ण : प्रो. दिव्या रानी

एमजीयूजी में रासेयो की तीन इकाइयों के शिविर का पांचवां दिन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 28 मार्च। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए स्टार्टअप इंडिया एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इस पहल से नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। प्रो. दिव्या रानी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एव महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन के बौद्धिक सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि कैसे स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत मिलने वाले समर्थन और संसाधन, उद्यमियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। नवाचार और डिजिटल क्रांति के इस दौर में स्टार्टअप इंडिया, युवा शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पैरामेडिकल विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित श्रीवास्तव ने व्यक्तित्व विकास के विविध आयामों से स्वयंसेवकों को परिचित कराया। आभार ज्ञापन करते हुए रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि आज का व्याख्यान स्वयंसेवकों को सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना के महत्व को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, जयशंकर पाण्डेय, रवि यादव सहित सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

लोगों के बीच बढ़ती दूरी का कारण बन रहा एआई का दुरुपयोग : डॉ० पाण्डेय

एमजीयूजी में रासेयो शिविर के चौथे दिन एआई पर व्याख्यान का आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एव महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिन के बौद्धिक सत्र का में मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मनीष कुमार पांडेय रहे। डॉ. पांडेय ने अपने व्याख्यान में "एआई तकनीक का मानव मस्तिष्क पर प्रभाव और समाज से लोगों के अलगाव" विषय पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तकनीक किस प्रकार से मानव मस्तिष्क को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि की एआई का दुरुपयोग यह समाज में लोगों के बीच बढ़ती दूरी का कारण बन रही है। उन्होंने युवाओं को तकनीक के सकारात्मक उपयोग और इसके दुष्प्रभावों से बचने के उपाय भी बताये। इस अवसर पर रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, प्रवीन कुमार सिंह, दिलीप मिश्रा, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, जय शंकर पांडेय के साथ तीनो इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी की एएनएम छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष की 50 छात्राओं ने स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत दो समूहों के माध्यम से जंगल कौड़िया क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया।

छात्राओं ने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता और संचारी रोग पर जानकारी दी। रोल प्ले के माध्यम से उन्होंने बताया की मासिक धर्म स्वच्छता महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह मासिक रक्तस्राव के दौरान उचित सफाई बनाए रखने की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य संक्रमण से बचाव, आत्मविश्वास बढ़ाना और प्रजनन स्वास्थ्य की रक्षा करना है। संक्रामक रोग के बारे में बताते हुए छात्राओं ने कहा कि यह वे बीमारियां हैं जो बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या कवक से फैलती हैं। इनके कारण दूषित जल, भोजन, वायु, संक्रमित व्यक्ति या जीवाणु वाहक हो सकते हैं।

संक्रामक रोगों के लक्षणों में बुखार, कमजोरी, खांसी, उल्टी-दस्त आदि शामिल हैं, जो रोग के प्रकार पर निर्भर करते हैं। इनके रोकथाम के लिए टीकाकरण, हाथ धोना, स्वच्छता बनाए रखना, सुरक्षित भोजन और जल का सेवन और संक्रमित लोगों से दूरी आवश्यक है। जागरूकता अभियान के आयोजन में शिक्षिकाओं प्रज्ञा मिश्रा, निधि राय, अभया प्रजापति, सुमन और समरीन ने मार्गदर्शन किया।

एमजीयूजी की एएनएम छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 27 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष की 50 छात्राओं ने स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत दो समूहों के माध्यम से जंगल कौड़िया क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं ने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता और संचारी रोग पर जानकारी दी। रोल प्ले के माध्यम से उन्होंने बताया की मासिक धर्म स्वच्छता महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह मासिक रक्तस्राव के दौरान उचित सफाई बनाए रखने की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य संक्रमण से बचाव, आत्मविश्वास बढ़ाना और प्रजनन स्वास्थ्य की रक्षा करना है। संक्रामक रोग के बारे में बताते हुए छात्राओं ने कहा कि यह वे बीमारियां हैं जो बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या कवक से फैलती हैं। इनके कारण दूषित जल, भोजन, वायु, संक्रमित व्यक्ति या जीवाणु वाहक हो सकते हैं। संक्रामक रोगों के लक्षणों में बुखार, कमजोरी, खांसी, उल्टी-दस्त आदि शामिल हैं, जो रोग के प्रकार पर निर्भर करते हैं। इनके रोकथाम के लिए टीकाकरण, हाथ धोना, स्वच्छता बनाए रखना, सुरक्षित भोजन और जल का सेवन, और संक्रमित लोगों से दूरी आवश्यक है। जागरूकता अभियान के आयोजन में शिक्षिकाओं प्रज्ञा मिश्रा, निधि राय, अभया प्रजापति, सुमन और समरीन ने मार्गदर्शन किया।

छात्राओं ने दी स्वच्छता और संचारी रोग के विषय में जानकारी। स्रोत-विज्ञप्ति

स्वच्छता और संचारी रोग के विषय में दी जानकारी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग की छात्राओं ने जंगल कौड़िया क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। एएनएम द्वितीय वर्ष की 50 छात्राओं ने स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत लोगों को जागरूक किया। इस दौरान छात्राओं ने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से स्वच्छता और संचारी रोगों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर शिक्षिकाओं प्रज्ञा मिश्रा, निधि राय, अभया प्रजापति, सुमन और समरीन ने मार्गदर्शन किया। संवाद

एमजीयूजी की एएनएम छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर, २७ मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष की 50 छात्राओं ने स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत दो समूहों के माध्यम से जंगल कौड़िया क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं ने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता और संचारी रोग पर जानकारी दी। रोल प्ले के माध्यम से उन्होंने बताया की मासिक धर्म स्वच्छता महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह मासिक रक्तस्राव के दौरान उचित सफाई बनाए रखने की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य संक्रमण से बचाव, आत्मविश्वास बढ़ाना और प्रजनन स्वास्थ्य की रक्षा करना है। संक्रामक रोग के बारे में बताते हुए छात्राओं ने कहा कि यह वे बीमारियां हैं जो बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या कवक से फैलती हैं। इनके कारण दूषित जल, भोजन, वायु, संक्रमित व्यक्ति या जीवाणु वाहक हो सकते हैं। संक्रामक रोगों के लक्षणों में बुखार, कमजोरी, खांसी, उल्टी-दस्त आदि शामिल हैं, जो रोग के प्रकार पर निर्भर करते हैं। इनके रोकथाम के लिए टीकाकरण, हाथ धोना, स्वच्छता बनाए रखना, सुरक्षित भोजन और जल का सेवन, और संक्रमित लोगों से दूरी आवश्यक है। जागरूकता अभियान के आयोजन में शिक्षिकाओं प्रज्ञा मिश्रा, निधि राय, अभया प्रजापति, सुमन और समरीन ने मार्गदर्शन किया।

एमजीयूजी की एएनएम छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता

गोरखपुर, 27 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के नर्सिंग विभाग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष की 50 छात्राओं ने स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत दो समूहों के माध्यम से जंगल कौड़िया क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं ने रोल प्ले, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता और संचारी रोग पर जानकारी दी। रोल प्ले के माध्यम से उन्होंने बताया की मासिक धर्म स्वच्छता महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह मासिक रक्तस्राव के दौरान उचित सफाई बनाए रखने की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य संक्रमण से बचाव, आत्मविश्वास बढ़ाना और प्रजनन स्वास्थ्य की रक्षा करना है। संक्रामक रोग के बारे में बताते हुए छात्राओं ने कहा कि यह वे बीमारियां हैं जो बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या कवक से फैलती हैं। इनके कारण दूषित जल, भोजन, वायु, संक्रमित व्यक्ति या जीवाणु वाहक हो सकते हैं।

लोगों के बीच बढ़ती दूरी का कारण बन रहा एआई का दुरुपयोग : डॉ. पांडेय

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना रासेयो की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिन के बौद्धिक सत्र का में मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मनीष कुमार पांडेय रहे। डॉ. पांडेय ने अपने व्याख्यान में एआई तकनीक का मानव मस्तिष्क पर प्रभाव और समाज से लोगों के अलगाव विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई की तकनीक किस प्रकार से मानव मस्तिष्क को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि की एआई का दुरुपयोग यह समाज में लोगों के बीच बढ़ती दूरी का कारण बन रही है। उन्होंने युवाओं को तकनीक के सकारात्मक उपयोग और इसके दुष्प्रभावों से बचने के उपाय भी बताए।

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन रविवार से

30 मार्च से 1 अप्रैल तक प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी से जोडने पर होगी चर्चा

आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव और यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह करेंगे उद्घाटन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 29 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के तहत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 01 अप्रैल तक संयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषय पर राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय वैज्ञानिक अन्वेषकीय दृष्टि से मंथन करेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की जानकारी साझा करते हुए संयोजक और अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 30 मार्च को उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता यूपी के मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह करेंगे। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह का भी सानिध्य प्राप्त होगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं जो 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषय पर नवीनतम अनुसंधान और प्रगति पर चर्चा करेंगे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों के समक्ष शोधार्थी और युवा वैज्ञानिकों को शोध प्रस्तुति, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रस्तुति, मौखिक प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति में अन्वेषकीय ज्ञानार्जन के साथ विज्ञान और आयुर्वेद के बहुमूल्य योगदान और समृद्ध शैक्षणिक आदान-प्रदान से सम्मेलन समृद्ध होगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में देश-विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों को आध्यात्म, आयुर्वेद और विज्ञान के अद्भुत संयोग से युवा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आपस में साक्षात्कार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 210 शोध आलेख प्राप्त हुए हैं जिन्हें शोध प्रकाशन समिति ने अन्वेषकीय वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध आलेखों का महत्ता से अध्ययन कर शोध ग्रन्थ का स्वरूप दे दिया है। इसका उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथियों के कर कमलों से लोकार्पण कराया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के विविध राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, बोलिविया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

समाचार दर्पण

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

गोरखपुर, २९ मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के तहत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक संयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग विषय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अन्वेषकीय दृष्टि से मंथन करेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की जानकारी साझा करते हुए संयोजक और अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 30 मार्च को उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता यूपी के मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह करेंगे। अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह का भी पाथेय प्राप्त होगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं जो 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग% विषय पर नवीनतम अनुसंधान और प्रगति पर चर्चा करेंगे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों के समक्ष शोधार्थी और युवा वैज्ञानिको को शोध प्रस्तुति, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रस्तुति, मौखिक प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति में समृद्ध शैक्षणिक आदान-प्रदान से सम्मेलन समृद्ध होगा।

आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में देश-विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों को आध्यात्म, आयुर्वेद और विज्ञान के अद्भुत संयोग से युवा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आपस में साक्षात्कार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 210 शोध आलेख प्राप्त हुए हैं।

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन रविवार से

- आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर प्रख्यात वैज्ञानिक करेंगे अन्वेषकीय मंथन
- 30 मार्च से 1 अप्रैल तक प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी से जोड़ने पर होगी चर्चा'
- आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव और यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह करेंगे उद्घाटन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के तहत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक संयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में श्आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगश विषय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अन्वेषकीय दृष्टि से मंथन करेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की जानकारी साझा करते हुए संयोजक और अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 30 मार्च को उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता यूपी के मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह करेंगे। अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह का भी पाथेय प्राप्त होगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं जो 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगश विषय पर नवीनतम अनुसंधान और प्रगति पर चर्चा करेंगे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों के समक्ष शोधार्थी और युवा वैज्ञानिको को शोध प्रस्तुति, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रस्तुति, मौखिक प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति में अन्वेषकीय ज्ञानार्जन के साथ विज्ञान और आयुर्वेद के बहुमूल्य योगदान और समृद्ध शैक्षणिक आदान-प्रदान से सम्मेलन समृद्ध होगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में देश-विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों को आध्यात्म, आयुर्वेद और विज्ञान के अद्भुत संयोग से युवा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आपस में साक्षात्कार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 210 शोध आलेख प्राप्त हुए हैं जिन्हें शोध प्रकाशन समिति ने अन्वेषकीय वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध आलेखों का गहनता से अध्ययन कर शोध ग्रन्थ का स्वरूप दे दिया है। इसका उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथियों के कर कमलों से लोकार्पण कराया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के विविध राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

एमजीयूजी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

- आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' पर प्रख्यात वैज्ञानिक करेंगे अन्वेषकीय मंथन
- 1 अप्रैल तक प्राचीन आयुर्वेद के सिद्धांतों को जैव प्रौद्योगिकी से जोड़ने पर होगी चर्चा
- आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव और यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह करेंगे उद्घाटन

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के तहत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 30 मार्च से 1 अप्रैल तक संयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अन्वेषकीय दृष्टि से मंथन करेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की जानकारी साझा करते हुए संयोजक और अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 30 मार्च को उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता यूपी के मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह करेंगे। अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह का भी पाथेय प्राप्त होगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं जो ह्आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषय पर नवीनतम अनुसंधान और प्रगति पर चर्चा करेंगे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों के समक्ष शोधार्थी और युवा वैज्ञानिको को शोध प्रस्तुति, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रस्तुति, मौखिक प्रस्तुति ,पोस्टर प्रस्तुति में अन्वेषकीय ज्ञानार्जन के साथ विज्ञान और आयुर्वेद के बहुमूल्य योगदान और समृद्ध शैक्षणिक आदान-प्रदान से सम्मेलन समृद्ध होगा। आयोजन समिति के सचिव डॉ. अमित दुबे और डॉ. अनुपमा ओझा ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में देश-विदेश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों को आध्यात्म, आयुर्वेद और विज्ञान के अद्भुत संयोग से युवा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आपस में साक्षात्कार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 210 शोध आलेख प्राप्त हुए हैं जिन्हें शोध प्रकाशन समिति ने अन्वेषकीय वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध आलेखों का गहनता से अध्ययन कर शोध ग्रन्थ का स्वरूप दे दिया है। इसका उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथियों के कर कमलों से लोकार्पण कराया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के विविध राज्यों के विशेषज्ञों के साथ इजरायल, नेपाल, श्रीलंका, कोरिया, अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी आदि से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार: प्रो. भार्गव

- एमजीयूजी में 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ
- नई वैश्विक चुनौतियों को संकल्पों के साथ स्वीकार करना होगा : प्रो. डीपी सिंह
- प्रो. सुभाष चंद्र लखोटिया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और प्रो. रमेश शर्मा डीएस पाउले ओरेशन अवार्ड से हुए सम्मानित
- कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के महाकुंभ पुस्तक और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शोध संदर्भ पुस्तिका का हुआ विमोचन

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार: प्रो. भार्गव

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार : प्रो. भार्गव

- एमजीयूजी में आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ'
- नई वैश्विक चुनौतियों को संकल्पों के साथ स्वीकार करना होगा : प्रो. डीपी सिंह'
- प्रो. सुभाष चंद्र लखोटिया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और प्रो. रमेश शर्मा डीएस पाउले ओरेशन अवार्ड से हुए सम्मानित'
- कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के महाकुंभ पुस्तक और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शोध संदर्भ पुस्तिका का हुआ विमोचन'

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार : प्रो. भार्गव

नई वैश्विक चुनौतियों को संकल्पों के साथ स्वीकार करना होगा : प्रो. डीपी सिंह

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के महाकुंभ पुस्तक और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शोध संदर्भ पुस्तिका का हुआ विमोचन

आयुर्वेद के प्रभावी पहलुओं को अपनाने की जरूरत : प्रो० लखोटिया

तकनीकी सत्रों में हुई विशद चर्चा

समाचार दर्पण

सम्मेलन: आयुर्वेद स्वास्थ्य के लिए बेहद अहम

संवाददाता, गोरखपुर

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल विशिष्टजन। अमृत विचार

अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ रविवार को हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जबकि अध्यक्षता यूपी के मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रो डीपी सिंह ने की।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. भार्गव ने कहा कि आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक नवाचार हो रहा है। आयुर्वेद की प्राचीन वैदिक चिकित्सा पद्धति और जैव चिकित्सा के समन्वय से स्वास्थ्य सेवा समृद्ध और सशक्त हो रहा है। इससे मानवता के लिए एक उज्जवल भविष्य का मार्गदर्शन प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जैव प्रौद्योगिकी ने न केवल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं, बल्कि आयुर्वेद में भी इसके अनुप्रयोग ने नई संभावनाओं का द्वार खोला है। आयुर्वेद जीवन और स्वास्थ्य के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है, अपनी जड़ों से जुड़े हुए प्राकृतिक उपचारों को महत्वपूर्ण मानता है। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी, जीवों और उनके घटकों का उपयोग करके विभिन्न चिकित्सा उत्पादों का विकास करती है। प्रो. भार्गव ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि भारत ने अन्न उत्पादन, दूध उत्पादन, आईटी, मोबाइल, हेल्थकेयर और अंतरिक्ष के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। अब बारी जैव प्रौद्योगिकी एवं आयुर्वेद को नई ऊंचाई पर ले जाने की है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोविड 19 के प्रकोप के दौरान भारत ने इंडोजिनस वैक्सीन बनाकर दुनिया की स्वास्थ्य सेवा को संजीवनी दी। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा से संस्कार और राष्ट्र सेवा का भाव जागृत होता है। 21वीं सदी में स्वास्थ्य सेवा में प्राचीन आयुर्वेद, यूनानी और जैव प्रौद्योगिकी ने पुरातन और नए नवाचारों से मानव सेवा का पवित्र संकल्प पूरा किया है। उन्होंने कहा कि पुरातन स्वास्थ्य सेवा का अध्ययन कर नई चिकित्सा पद्धति में आयुर्वेद, योग, यूनानी का गहन अध्ययन कर भारतीय शिक्षा पद्धति को समृद्ध करने का प्रयास होना चाहिए।

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार : प्रो. भार्गव

एमजीयूजी में आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग विषय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार -प्रो. भार्गव

गोरखपुर, ३० मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ रविवार को हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जबकि अध्यक्षता यूपी के मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रो डीपी सिंह ने की।

❖ एमजीयूजी में आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. भार्गव ने कहा कि आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक नवाचार हो रहा है। आयुर्वेद की प्राचीन वैदिक चिकित्सा पद्धति और जैव चिकित्सा के समन्वय से स्वास्थ्य सेवा समृद्ध और सशक्त हो रहा है। इससे मानवता के लिए एक उज्जवल भविष्य का मार्गदर्शन प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा से संस्कार और राष्ट्र सेवा का भाव जागृत होता है। 21वीं सदी में स्वास्थ्य सेवा में प्राचीन आयुर्वेद, यूनानी और जैव प्रौद्योगिकी ने पुरातन और नए नवाचारों से मानव सेवा का पवित्र संकल्प पूरा किया है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) सुरिंदर सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन उभरते वैज्ञानिक रुझानों और नवाचारों को समझने तथा शोधकर्ताओं को आपस में संवाद का मंच प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया की तरफ से बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में डिपार्टमेंट ऑफ जूलोजी के एमेरिटस प्रो. सुभाष चंद्र लखोटिया को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और स्कूल ऑफ लाइफ साइंस नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी शिलांग के पूर्व अधिष्ठाता प्रो .रमेश शर्मा को पद्मश्री बलराम भार्गव और प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र पाल सिंह ने डीएस पाठले ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया। सोसाइटी अवॉर्ड की घोषणा एसबीटीआई [illegible] विजयन ने [illegible] के संयोजक [illegible] आभार ज्ञापन आयोजन सचिव [illegible]

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार : प्रो. भार्गव

नई वैश्विक चुनौतियों को संकल्पों के साथ स्वीकार करना होगा : प्रो. डीपी सिंह

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के महाकुंभ पुस्तक और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शोध संदर्भ पुस्तिका का हुआ विमोचन

तकनीकी सत्रों में हुई विशद चर्चा

आयुर्वेद के प्रभावी पहलुओं को अपनाने की जरूरत : प्रो. लखोटिया

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार : प्रो. भार्गव

एमजीयूजी में आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग विषय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

आयुर्वेद और बायोटेक्नोलॉजी से चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहा वैश्विक नवाचार: प्रो. भार्गव

राष्ट्र सेवा को समर्पित है रासेयो का मंच-डॉ. अनुराग

गोरखपुर, ३० मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई के सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन रविवार को हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मंच राष्ट्र सेवा को समर्पित रहता है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि रासेयो के स्वयंसेवक जहां भी रहेंगे देशप्रेम की भावना को आगे बढ़ाते रहेंगे। पैरामेडिकल विभाग के प्रमुख रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रों में अनुशासन व नैतिक मूल्यों का विकास करता है। उन्होंने स्वयंसेवकों से सामाजिक कार्यों को आगे भी करते रहने की अपील की। वाणिज्य संकाय के प्रमुख डॉ. तरुण श्याम, कार्यक्रम अधिकारी डॉ आयुष कुमार पाठक, जय शंकर पांडेय, डॉ अभिषेक कुमार सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे ने सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने शिविर में हासिल अनुभव साझा किए। इसके पश्चात विभिन्न दिवसों पर आयोजित की गई प्रतियोगिताओं जैसे भाषण, वाद-विवाद, गायन, नाटक, नृत्य, काव्य-पाठ, फैशन शो एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को पदक एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आयुर्वेद को जैव प्रौद्योगिकी से जोड़ने पर मंथन आज से

गोरखनाथ विवि

महायोगी गोरखनाथ विवि के स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में तीन दिन चलेगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

स्वास्थ्य सेवाओं की समृद्धि में आयुर्वेद की महती भूमिका

• 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

• प्रो. सुभाष चंद्र लखोटिया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड व प्रो. रमेश शर्मा डीएस पाउले ओरेशन अवार्ड से सम्मानित

समाचार दर्पण

आयुर्वेद और जैव प्रौद्योगिकी के समन्वय से मजबूत हो रहा स्वास्थ्य क्षेत्र : प्रो. रमेश

» चार तकनीकी सत्रों में 110 शोधार्थियों ने किया शोध पत्रों का वाचन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद चिकित्सा की परस्पर जुड़ी संभावनाओं पर वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने अन्वेषकीय संवाद किया। दूसरे दिन चार तकनीकी सत्रों में 12 अतिथि वक्ताओं के निर्देशन में 110 शोधार्थियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। प्रथम सत्र में स्कूल ऑफ लाइफ साइंस शिलांग के अधिष्ठाता प्रो. रमेश शर्मा ने आयुर्वेद में दीर्घायु होने के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति और जैव प्रौद्योगिकी के समन्वय से स्वास्थ्य सेवा समृद्ध और सशक्त हो रहा है। इससे मानवता के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जैव प्रौद्योगिकी ने न केवल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं, बल्कि आयुर्वेद में भी इसके अनुप्रयोग ने नई संभावनाओं का द्वार खोला है।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक जटिल समस्या : प्रो. यामिनी

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी ने विज्ञान और आयुर्वेद में मेटाबॉलिक सिंड्रोम के प्रबंधन और समन्वय पर चर्चा करते हुए कहा कि मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक जटिल समस्या है। इसका प्रभाव शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों पर पड़ता है।

संतुलित सेतु है आयुर्वेद और जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा : डॉ. विवेक

हालिम विश्वविद्यालय सेक्रेट हार्ट हॉस्पिटल कोरिया के डॉ. विवेक मौर्या ने कहा कि जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेदिक चिकित्सा में अनुसंधान और विकास के नए द्वार खोले हैं। आयुर्वेद और जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा में संतुलित सेतु का सामंजस्य है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और प्राचीन आयुर्वेद दोनों ही मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं।

ब्राह्मी जीवन वरदान का औषधीय पौधा : डॉ. रूपाली

हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ जेरुसलम, इजरायल की प्रोफेसर डॉ. रूपाली गुप्ता ने तकनीकी सत्र में नेमाटोड तनाव के संबंध में कहा कि ऐसे विकारों के निदान के लिए ब्राह्मी (बैकोपा मोनियरी) जीवन वरदान रूपी औषधीय पौधा है। यह मानसिक स्वास्थ्य, स्मरण शक्ति के लिए प्रसिद्ध है।

बायोटेक्नोलॉजी व औषधीय उत्पादों के विकास में साइटोकिनिन मुख्य कवक : डॉ. गौतम

बेन गुरियन यूनिवर्सिटी नेगेव इजरायल के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. गौतम आनंद ने कवक में साइटोकिनिन प्रतिक्रिया और सेंसिंग पर शोध व्याख्यान में कहा कि साइटोकिनिन का कवकों में महत्वपूर्ण कार्य और भूमिका होती है, जो कोशिका विभाजन, विकास, और पर्यावरणीय तनावों के प्रति प्रतिक्रिया में शामिल होती है। कवक में साइटोकिनिन रिसेप्शन और सेंसिंग तंत्र के माध्यम से, यह हार्मोन कवक की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन वक्तव्य देते अतिथि व उपस्थित लोग। स्रोत-संस्था

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सोमवार को जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद चिकित्सा की परस्पर जुड़ी संभावनाओं पर वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने संवाद किया। प्रथम सत्र में स्कूल ऑफ लाइफ साइंस शिलांग के अधिष्ठाता प्रो. रमेश शर्मा ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है।

सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया (एसबीटीआई) के सहयोग से कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सोमवार को दूसरा दिन था। प्रो. रमेश शर्मा ने कहा कि जैव प्रौद्योगिकी ने न केवल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं, बल्कि आयुर्वेद में भी इसके अनुप्रयोग ने नई संभावनाओं का द्वार खोला है।

ब्राह्मी जीवन वरदान का औषधीय पौधा : डॉ. रूपाली

हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ जेरुसलम, इजरायल की प्रोफेसर डॉ. रूपाली गुप्ता ने तकनीकी सत्र में नेमाटोड तनाव के संबंध में कहा कि ऐसे विकारों के निदान के लिए ब्राह्मी (बैकोपा मोनिएरी) जीवन वरदान रूपी औषधीय पौधा है। यह मानसिक स्वास्थ्य, स्मरण शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। बेन गुरियन यूनिवर्सिटी नेगेव इजरायल के वैज्ञानिक डॉ. गौतम आनंद, हालिम विश्वविद्यालय सेक्रेट हार्ट हॉस्पिटल कोरिया के डॉ. विवेक मौर्या ने भी विचार रखे। तकनीकी सत्रों में प्रमुख रूप से प्रो. राधा चौबे, डॉ. हेमंत बोड, डॉ. रोहित उपाध्याय, प्रो. सरिता भट्ट, प्रो. दिनेश यादव, डॉ. मानवेंद्र सिंह, डॉ. शरद कुमार मिश्र, प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी, डॉ. बृज रंजन मिश्र, डॉ. मनीष सिंह राजपूत, डॉ. गौरव राज, प्रो. राजर्षि गौर, डॉ. राजकुमार ने जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा पद्धति और आयुर्वेद पर शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। सम्मेलन के संयोजक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने सम्मेलन में जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा और आयुर्वेद की संभावनाओं को तलाशने का अवसर मिला है।

दूसरे दिन चार तकनीकी सत्रों में 12 अतिथि वक्ताओं के निर्देशन में 110 शोधार्थियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग की पूर्व अधिष्ठाता प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी ने विज्ञान और आयुर्वेद में मेटाबॉलिक सिंड्रोम के प्रबंधन और समन्वय पर चर्चा करते हुए कहा कि मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक जटिल समस्या है। इसका प्रभाव शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों पर पड़ता है।

आयुर्वेद, जैवप्रौद्योगिकी से स्वास्थ्य क्षेत्र समृद्ध

एमजीयूजी

व्याख्यान देते प्रोफेसर रमेश शर्मा।

- जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन
- चार तकनीकी सत्रों में 110 शोधार्थियों ने किया शोध पत्रों का वाचन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की ओर से संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व सोसाइटी फॉर बायोटेक्नोलॉजिस्ट इंडिया के सहयोग से चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सोमवार को दूसरा दिन रहा। जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद चिकित्सा की परस्पर जुड़ी संभावनाओं पर वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने संवाद किया। दूसरे दिन चार तकनीकी सत्रों में 110 शोधार्थियों ने शोध पत्र पढ़े।

पहले सत्र में स्कूल ऑफ लाइफ साइंस शिलांग के अधिष्ठाता प्रो. रमेश शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति और जैव प्रौद्योगिकी के समन्वय से स्वास्थ्य सेवा समृद्ध और सशक्त हो रहा है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है।

बीएचयू के आयुर्वेद विभाग के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी ने कहा कि मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक जटिल समस्या है। इसका प्रभाव शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि गिलोय और एलोवेरा, हरीतकी जैसे आयुर्वेदिक तत्व शरीर के मेटाबोलिक को संतुलित करते हैं।

हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ जेरुसलम, इजरायल की प्रोफेसर डॉ. रूपाली गुप्ता ने कहा कि नेमाटोड तनाव के निदान के लिए ब्राह्मी (बैकोपा मोनियरी) वरदान रूपी औषधीय पौधा है। यह मानसिक स्वास्थ्य, स्मरण शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। बेन गुरियन यूनिवर्सिटी नेगेव इजरायल के वैज्ञानिक डॉ. गौतम आनंद ने कहा कि साइटोकिनिन का कवकों में महत्वपूर्ण कार्य और भूमिका होती है, जो कोशिका विभाजन, विकास, और पर्यावरणीय तनावों के प्रति प्रतिक्रिया में शामिल होती है। कवक में साइटोकिनिन रिसेप्शन और सेंसिंग तंत्र के माध्यम से, यह हार्मोन कवक की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है।

तकनीकी सत्रों में प्रो. राधा चौबे, डॉ. हेमंत बोड, डॉ. रोहित उपाध्याय, प्रो. सरिता भट सहित अन्य विशेषज्ञों ने शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया।

आयुर्वेद और जैव प्रौद्योगिकी के समन्वय से मजबूत हो रहा स्वास्थ्य क्षेत्र -प्रो. रमेश

❖ एमजीयूजी में जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन ❖ चार तकनीकी सत्रों में 110 शोधार्थियों ने किया शोध पत्रों का वाचन

ब्राह्मी के पौधे मानसिक स्वास्थ्य के लिए वरदान

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित
- विशेषज्ञों के निर्देशन में 110 शोधार्थियों ने किया शोध पत्रों का वाचन

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। दूसरे दिन सोमवार को चार तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों के निर्देशन में 110 शोधार्थियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। 'आयुर्वेद एवं बायोमेडिकल विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग' विषयक सम्मेलन में वक्ताओं ने जैव प्रौद्योगिकी व आयुर्वेद के समन्वय पर चर्चा की। स्कूल आफ लाइफ साइंस शिलांग के अधिष्ठाता प्रो. रमेश शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति और जैव प्रौद्योगिकी के समन्वय से स्वास्थ्य सेवा समृद्ध और सशक्त हो रही है। आयोजन में सोसाइटी फार बायोटेक्नोलाजिस्ट इंडिया (एसबीटीआइ) का सहयोग रहा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते प्रो. रमेश शर्मा • सौ. विश्वविद्यालय

प्रो. शर्मा ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास में जैव प्रौद्योगिकी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जैव प्रौद्योगिकी ने न केवल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं, बल्कि आयुर्वेद में भी इसके अनुप्रयोग ने नई संभावनाओं का द्वार खोला है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी ने कहा कि मेटाबालिक सिंड्रोम एक जटिल समस्या है। इसका प्रभाव शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों पर पड़ता है। आयुर्वेद और विज्ञान का समन्वय इस समस्या के प्रबंधन में अत्यधिक लाभकारी साबित हो सकता है। हिब्रू यूनिवर्सिटी आफ जेरुसलम, इजरायल की प्रोफेसर डा. रूपाली गुप्ता ने ब्राह्मी के पौधे को मानसिक स्वास्थ्य के लिए वरदान बताया। संत पायस एक्स कालेज केरल के डा. सीनीष स्क्रियाचन, बेन गुरियन यूनिवर्सिटी नेगेव इजरायल के वैज्ञानिक डा. गौतम आनंद, हालिम विश्वविद्यालय सेक्रेट हार्ट हास्पिटल कोरिया के डा. विवेक मौर्य, प्रो. राधा चौबे, डा. हेमंत बोड, डा. रोहित उपाध्याय, डा. सरिता भट, प्रो. दिनेश यादव, डा. मानवेंद्र सिंह, डा. शरद कुमार मिश्रा, प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी, डा. बृज रंजन मिश्र, डा. मनीष सिंह राजपूत, डा. गौरव राज, प्रो. राजर्षि गौर, डा. राजकुमार ने जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा पद्धति और आयुर्वेद के अंतर्संबंधों पर शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा. अनुकृति, प्रशांत गुप्ता, जिज्ञासा, असफिया, शगुन शाही, अनुष्का द्विवेदी, श्वेता गिरी, डा. रश्मि शाही, अमित कुमार दुबे, डा. अनुपमा ओझा, डा. धीरेंद्र कुमार सिंह, डा. पवन कुमार कनौजिया, डा. अवधनाथ सिंह, डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संबोधित करते वक्ता तथा उपस्थित छात्र-छात्राएं। फोटो : एसएनबी

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

■ गोरखपुर।
सहारा न्यूज ब्यूरो।

तनाव से संबंधित विकारों में ब्राह्मी जीवन दायनी

■ एमजीयूजी में जैव प्रौद्योगिकी और आयुर्वेद पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन

■ चार तकनीकी सत्रों में 110 शोधार्थियों ने किया शोध पत्रों का वाचन

निर्माणाधीन परिसर

01 निर्माणाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

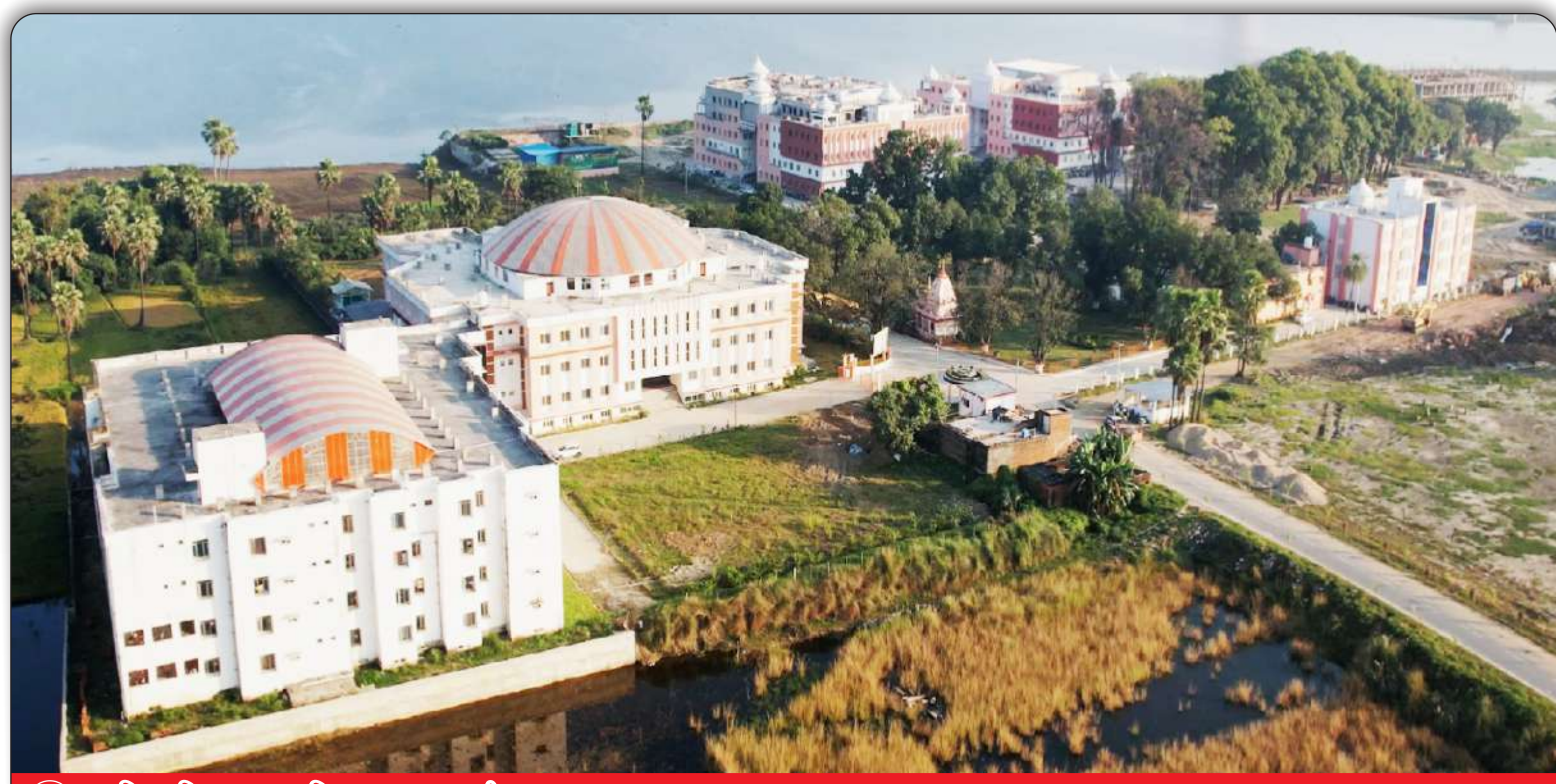

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

01 प्रो. (डॉ.) के.आर.सी. रेड्डी

02 माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह

03 डॉ. डी.पी. सिंह

04 प्रो रमेश शर्मा

05 प्रो. बलराम भार्गव

06 प्रो. एडाथिल विजयन

07 डॉ. चंचाई बूनला

08 प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी

09 प्रो. सुभाष चन्द्र लखोटिया

09 डॉ. अभिमन्यु कुमार

10 प्रो. सरिता जी भट्ट

11 डॉ. सिनोश साकारियाचन

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur